page 1 and 8 mar 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/3/2026 12:47 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जल जीवन मिशन में भुगतान अटका, कठुआ में ठेकेदारों का फूटा गुस्सा
5 भारत सेमीफाइनल में, संजू सैमसन की 97 रनों की तूफानी पारी
8 बेलपत्र का महत्व, उपयोग एवम लाभ

मौसम जम्मू — न्यूनतम 12 — अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-54 | जम्मू तवी, मंगलवार 03 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत-कनाडा के बीच 8 करार, 9 घोषणाएं, व्यापार समझौते से जुड़े विषयों पर सहमति

नई दिल्ली, 02 मार्च । भारत और कनाडा के बीच सोमवार को हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। वार्ता के उपरांत कुल आठ समझौतों पर हस्ताक्षर हुए तथा नौ प्रमुख घोषणाएं की गईं, जिनका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को विस्तार देना है।

वार्ता में भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के लिए विचारणीय विषय टर्म ऑफ रेफरेंस तय हुए। तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में भारत-कनाडा-ऑस्ट्रेलिया त्रिपक्षीय समझौता हुआ। भारत को यूरेनियम की आपूर्ति के लिए वाणिज्यिक अनुबंध किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं की उपस्थिति में रक्षा, शिक्षा, कृषि एवं नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर हुए समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों नेताओं ने इसके बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। इसमें प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के सहयोग को गति देने के लिए कार्नी की प्रशंसा की तो वहीं कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को उद्धृत किया और उनके प्रसिद्ध वाक्य की तर्ज पर कहा, हम आगे बढ़ेंगे, हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक विकसित भारत 2047 और कनाडा स्ट्रॉन्ग के लक्ष्य हासिल नहीं हो जाते।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत-कनाडा के बीच रक्षा डायलॉग और संसदीय मैत्री समूह की स्थापना की जाएगी और भारत-कनाडा सीईओ फोरम का पुनर्गठन होगा। कनाडा ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस और इंटरनेशनल सोलर अलायंस में शामिल होगा। साथ ही भारत के सहयोग से कनाडा इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन में डायलॉग पार्टनर के तौर पर भी शामिल होगा।

मंत्रालय के अनुसार भारत में संयुक्त दाल प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। वहीं कनाडा आगामी 17-30 मार्च तक होने वाले भारत जनजातीय उत्सव-2026 में भागीदारी करेगा। विश्वविद्यालय कनाडा एक नई कनाडा-भारत संयुक्त योग्यता एवं नवाचार रणनीति लांच करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर और इनोवेशन जैसे क्षेत्र में यूनिवर्सिटी/इंस्टीट्यूशन के बीच 24 साझेदारी समझौते होना तय किया गया है। इसके अलावा ग्लोबलिंक रिसर्च इंटर्नशिप, महत्वपूर्ण खनिज सहयोग, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। विदेश मंत्रालय में सचिव पूर्व पी. कुमारन ने कहा कि इस दौरे के पांच ठोस नतीजे मिले। पहला, सीईपीए के लॉन्च के ज़रिए एक टिकाऊ आर्थिक सहारा देने पर सहमति बनी। सीईपीए के लिए शर्तों पर साइन करने से 2026 के आखिर तक एक बड़ा, संतुलित और दोनों के लिए फायदेमंद समझौता करने का एक साफ रोडमैप मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब पर हमलों की निंदा की, क्षेत्रीय शांति बहाली पर जोर

नई दिल्ली, 02 मार्च । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत के बाद सऊदी अरब पर हालिया हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन बताया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ विस्तृत चर्चा की।

मोदी ने कहा, भारत सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करता है, जो उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है। हमने इस बात पर सहमति जताई कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली अत्यंत आवश्यक है।

प्रधानमंत्री ने कठिन समय में भारतीय समुदाय के कल्याण का ध्यान रखने के लिए सऊदी नेतृत्व का आभार भी व्यक्त किया।

दोनों नेताओं के बीच हुई इस बातचीत को पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने एक बार फिर क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और संवाद के माध्यम से समाधान पर बल दिया है।

चिट्टे के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 02 मार्च । नशे के खिलाफ जारी अभियान के तहत जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 5.24 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) जैसी नशीली पदार्थ के साथ एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस थाना लखनपुर के अंतर्गत मग्गर खड्ड क्षेत्र में की गई।

जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी लखनपुर इंस्पेक्टर नीरज चैधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मग्गर खड्ड में नाका लगाकर संदिग्ध व्यक्ति को रोका। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान मोहम्मद सलीम पुत्र गुलाम हुसैन निवासी वार्ड नंबर 02, जगतपुर मग्गर खड्ड कठुआ के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 5.24 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ जिसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में थाना लखनपुर में एफआईआर नंबर 24/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8/21/22 के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि नशे से जुड़े किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस हेल्पलाइन 112 या 9858034100 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में लगातार सातवीं शुष्क सर्दी, संभावित जल संकट की आशंका

जम्मू तवी, 2 मार्च। Jammu and Kashmir में लगातार सातवीं बार सर्दियों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है। दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 की अवधि सामान्य से 65 प्रतिशत कम वर्षा के साथ समाप्त हुई। आंकड़ों के अनुसार, मुख्य शीतकालीन महीनों के दौरान क्षेत्र में 284.9 मिमी के सामान्य के मुकाबले केवल 100.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो हाल के वर्षों की सबसे शुष्क सर्दियों में से एक है। दिसंबर 2025 में सामान्य 59.4 मिमी के मुकाबले मात्र 13.0 मिमी वर्षा हुई, जो 78 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। जनवरी 2026 में पश्चिमी विक्षोभ की कुछ गतिविधियों के कारण स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रही और 95.1 मिमी के सामान्य के मुकाबले 73.4 मिमी वर्षा दर्ज की

मौसमी वर्षा सामान्य से 65 प्रतिशत कम

गई, जिससे कमी घटकर 23 प्रतिशत रह गई।हालांकि, फरवरी में स्थिति गंभीर हो गई और सामान्य 130.4 मिमी के मुकाबले केवल 14.2 मिमी वर्षा हुई, जो 89 प्रतिशत की भारी कमी है। इससे मौसमी औसत में बड़ी गिरावट आई।वर्ष 2025-26 की सर्दी पिछले सात वर्षों में सबसे अधिक कमी वाली सर्दियों में शामिल हो गई है। वर्ष 2019-20 से अब तक जम्मू-कश्मीर की हर सर्दी सामान्य से कम वर्षा के साथ समाप्त हुई है।पिछले वर्षों में दर्ज कमी इस प्रकार रही:-

* 2019-20: माइनस 20 प्रतिशत
* 2020-21: माइनस 37 प्रतिशत
* 2021-22: माइनस 8 प्रतिशत
* 2022-23: माइनस 34 प्रतिशत
* 2023-24: माइनस 54 प्रतिशत
* 2024-25: माइनस 45 प्रतिशत
* 2025-26: माइनस 65 प्रतिशत

इसके विपरीत, 2016-17 और 2018-19 में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई थी।

जिला-वार आंकड़ों के अनुसार, कश्मीर और जम्मू संभाग दोनों में व्यापक कमी दर्ज की गई। कश्मीर में श्रीनगर में सामान्य 236.5 मिमी के मुकाबले 84.2 मिमी वर्षा हुई, जो 64 प्रतिशत की कमी है।

अमेरिका-इज़राइल के ईरान पर हमलों के बाद संभावित अशांति को लेकर गृह मंत्रालय का राज्यों को अलर्ट

नई दिल्ली, 2 मार्च। एमएचए ने देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सुरक्षा अलर्ट जारी करते हुए हाल ही में अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद संभावित हिंसा और छिटपुट विरोध-प्रदर्शनों की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह परामर्श 28 फरवरी को ईरानी नेता Ali Khamenei की हत्या के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में शिया समुदाय के सदस्यों द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में जारी किया गया है।

मंत्रालय ने कहा कि तेजी से बदल रहे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम भारत की आंतरिक सुरक्षा स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं।

राज्य सरकारों को भेजे गए संदेश में एमएचए ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रहने और प्र-ईरान तथा एंटी-ईरान समूहों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

राज्यों को ईरान, अमेरिका और इज़राइल के दूतावासों एवं वाणिज्य दूतावासों सहित अन्य राजनयिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा मजबूत करने को भी कहा गया है।

परामर्श में शिया मिलिशिया और आतंकवादी संगठनों जैसे Islamic State और Al-Qaeda से संभावित खतरे की भी आशंका जताई गई है।

खुफिया सूचनाओं के अनुसार, उग्रवादी समूह मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति का फायदा उठाकर अशांति फैलाने या विघटनकारी गतिविधियां अंजाम देने की कोशिश कर सकते हैं।

अलर्ट में कहा गया है कि प्रमुख पर्यटन स्थल, यहूदी संस्थान और पश्चिमी देशों से जुड़े प्रतिष्ठान भी संभावित निशाने पर हो सकते हैं, इसके अलावा राजनयिक मिशन भी संवेदनशील हैं।

केंद्र ने राज्यों को महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाने की सलाह दी है। स्थानीय पुलिस इकाइयों को भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थलों पर जांच बढ़ाने तथा विस्फोटकों, विशेषकर आईईडी इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस की पहचान के लिए नियमित निरीक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस महानिदेशकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि त्वरित प्रतिक्रिया दल क्विक रिस्पॉन्स टीम सक्रिय रहें और किसी भी अप्रिय घटना पर तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार हों।

पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ की घटनाओं में वृद्धि होने को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था कड़ी कर दी गई

पुंछ, 02 मार्च । जिले में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ की घटनाओं में वृद्धि होने को ध्यान में रखते हुए नियंत्रण रेखा से महज पांच-छह किलो मीटर दूर स्थित पुंछ नगर तथा आस पास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

जिसके चलते देर रात को सुरक्षाबलों की तरफ से सांझा गश्त एवं नाके लगाए जा रहे हैं। जिनमें एसओजी, पुलिस एवं सीआरपीएफ द्वारा आने-जाने वाले वाहनों की जांच करने के साथ ही वाहनों में सवारों के पहचान पत्र देखने के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर गृह विभाग ने कारागार विभाग में तबादलों और नियुक्तियों के दिए आदेश

जम्मू, 02 मार्च जम्मू-कश्मीर गृह विभाग ने कारागार विभाग में तत्काल प्रभाव से कई तबादलों और नियुक्तियों के आदेश दिए है गृह विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश संख्या 145-गृह, दिनांक 2 मार्च, 2026 के अनुसार शेख जुल्फकार आजाद जो वर्तमान में श्रीनगर केंद्रीय जेल के अधीक्षक के पद पर तैनात हैं को उनके मूल विभाग, जम्मू-कश्मीर पुलिस में वापस भेज दिया गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि तीन पुलिस अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर कारागार विभाग में प्रतिनियुक्त किया गया है। चौधरी इफ्तिखार अहमद को जिला जेल पुंछ का अधीक्षक; रयाज इकबाल तांत्रे को जिला जेल अनंतनाग का अधीक्षक और एजाज अहमद मलिक को विशेष जेल पुलवामा का अधीक्षक नियुक्त किया गया है। इस बीच सबा शॉल का तबादला कर उन्हें श्रीनगर केंद्रीय जेल की जेल अधीक्षक के पद पर तैनात किया गया है जबकि मुश्ताक अहमद मल्ला को जम्मू-कश्मीर के जेल उपमुख्यमंत्री के सहायक अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त डीएसपी सुनील कुमार को किश्तवाड जिला जेल का जेल अधीक्षक बनाया गया है। यह आदेश उपराज्यपाल के आदेशानुसार गृह विभाग के प्रधान सचिव द्वारा जारी किया गया है।

कश्मीर के कई हिस्सों में दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन, लाल चौक सील किया गया

श्रीनगर, 02 मार्च । ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर के कई हिस्सों में सोमवार को दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हुआ। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने हल्का बल प्रयोग किया। लाल चौक स्थित प्रतिष्ठित घंटाघर को चारों ओर बैरिकेड लगाकर सील कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार शहर के बेमिना, गुंड हसीभाट और जहांगीर चौक इलाकों और दक्षिण कश्मीर के पुलवामा शहर में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बड़ी संख्या में शिया आबादी वाले इन इलाकों में प्रदर्शनकारी एकत्र होकर अमेरिका और इजरायल विरोधी नारे लगाते हुए सड़कों पर मार्च किया। कुछ इलाकों में सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। छात्रों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर निजी स्कूलों सहित सभी शिक्षण संस्थानों को दो दिनों के लिए बंद कर दिया है। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं भी स्थगित की गई हैं। प्रदर्शनकारियों के जमावड़े को रोकने के लिए शहर भर में बड़ी संख्या में पुलिस और

अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है।लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी अमेरिका और इजरायल विरोधी नारे लगाते हुए अपनी छाती पीटते नजर आए। अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण चौराहों पर तार और बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

मुंबई और अमृतसर समेत कई शहरों में नए आवास बनाएगी जम्मू-कश्मीर सरकार

जम्मू, 02 मार्च । जम्मू और कश्मीर सरकार ने अधिकारियों और निवासियों के लिए आवास सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मुंबई, अमृतसर और चंडीगढ़ सहित कई प्रमुख शहरों में नए आवासों के निर्माण का प्रस्ताव रखते हुए व्यापक विस्तार अभियान शुरू किया है। अतिरिक्त आवासों का निर्माण वैधानिक स्वीकृतियों, विस्तृत परियोजना रिपोर्टों को अंतिम रूप देने और कार्यकारी एजेंसियों की मंजूरी के अधीन चरणबद्ध तरीके से पूरा होने की उम्मीद है।

आवास और प्रोटोकॉल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच संपत्तियों का विभाजन किया गया था। इनमें दिल्ली, चंडीगढ़ और अन्य स्थानों पर निगमों, कर्मचारियों और संपत्तियों का विभाजन शामिल है। इसके बाद नई दिल्ली, मुंबई, अमृतसर और चंडीगढ़ सहित विभिन्न स्थानों पर जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश से संबंधित अपनी भूमि संपत्तियों पर आवास अवसंरचना बढ़ाने का इरादा है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई और पंजाब के अमृतसर में सात परियोजनाओं के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 36.61 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रमुख आवंटनों में द्वारका के लिए 20.90 करोड़ रुपये, चंडीगढ़ के लिए 6.40 करोड़ रुपये, अमृतसर के लिए 2.50 करोड़ रुपये और मुंबई के लिए 1.25 करोड़ रुपये शामिल हैं।

कविंद्र गुप्ता ने लद्दाख में पवित्र बुद्ध अवशेषों के पावन दर्शन की तैयारियों की समीक्षा की

लेह, 1 मार्च। Kavinder Gupta ने आज लोक निवास में पवित्र बुद्ध अवशेषों के पावन दर्शन (होली एक्सपोज़िशन) की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव श्री आशीष कुंद्रा तथा श्रद्धेय आध्यात्मिक गुरुओं — परम पावन थिकसे रिनपोछे, डुकपा ठुकसे, बकुला रंगदोल नीमा रिनपोछे, द्रुबवांग रिनपोछे, खेंचन रंगदोल रिनपोछे, उरग्यान रिनपोछे, पालगा रिनपोछे, खंतुल रिनपोछे, लिकत्से खामतक रिनपोछे, थिकसे खामतक रिनपोछे और त्सामत्रुल रिनपोछे — ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत में मुख्य सचिव श्री आशीष कुंद्रा ने माननीय उपराज्यपाल द्वारा पवित्र बुद्ध अवशेषों को लद्दाख लाने की ऐतिहासिक पहल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय को दिए गए आवेदन — जिसमें लद्दाख को गहन बौद्ध विरासत की भूमि बताया गया था — को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि पवित्र अवशेष 28-29 अप्रैल को लेह पहुंचेंगे तथा 1 मई को भव्य औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने बताया कि पवित्र अवशेषों को लगभग 15 दिनों तक जनसाधारण के दर्शनार्थ जीवेस्टल में रखा जाएगा, ताकि लद्दाख के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि योजना एवं समन्वय के लिए गठित समिति की समीक्षा बैठक शीघ्र आयोजित की जाएगी तथा सभी जिलों से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु परिवहन सहित समुचित व्यवस्थाएं की जाएंगी। बैठक में उपस्थित श्रद्धेय रिनपोछों ने इस पहल के लिए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इनमें सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था, प्रभावी भीड़ प्रबंधन प्रणाली, कार्य-आधारित छोटी समितियों का गठन, भूटान में आयोजित ग्लोबल पीस प्रेयर जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, विभिन्न बौद्ध संप्रदायों द्वारा सामूहिक मंत्रोच्चार, कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए बहुभाषी सूचना प्रसार, भगवान बुद्ध पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के राजदूतों और बौद्ध अध्ययन केंद्रों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करना शामिल है।

पावन दर्शन को भव्य सफलता बनाने के लिए सामूहिक सहयोग का आह्वान

पावन आयोजन को लद्दाख के लिए ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। लद्दाख के लोगों से पूर्ण समर्थन और सक्रिय सहभागिता की अपील।

होली से पहले रंगों और पिचकारियों से सजे शहर के बाजार

जम्मू., 02 मार्च । होली के रंगों से पहले ही शहर के बाजार पूरी तरह सज चुके हैं और हर ओर उत्सव की रौनक दिखाई दे रही है। बाजारों में रंग-बिरंगी पिचकारियों, गुलाल और आकर्षक सजावटी सामान की भरमार है। दुकानों के बाहर हैप्पी होली के पोस्टर और रंगीन झालरें लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।

इस बार बाजार में बच्चों और युवाओं के लिए विशेष आकर्षण देखने को मिल रहा है। गुरज, एक्स और कुल्हाड़ी डिजाइन वाली पिचकारियां खासा पसंद की जा रही हैं। इसके अलावा टैंक वाली बड़ी पिचकारी, थंप (प्रेशर) वाली पिचकारी और अलग-अलग आकार की आधुनिक पिचकारियां भी उपलब्ध हैं। दुकानदारों के अनुसार स्मोक इफेक्ट वाले हर्बल रंग और स्पेशल बैलून की कई वैरायटी ग्राहकों को खूब लुभा रही हैं।

बच्चों के लिए भूत और फनी फेस मास्क भी बाजार में आए हैं जो त्योहार के उत्साह को और बढ़ा रहे हैं। साथ ही हर्बल गुलाल और प्राकृतिक रंगों की मांग में इजाफा हुआ है, क्योंकि लोग अब सुरक्षित और त्वचा के अनुकूल रंगों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

दुकानदारों को इस बार बेहतर कारोबार की उम्मीद है। उनका कहना है कि जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आएगा, बाजारों में भीड़ और बढ़ेगी। कुल मिलाकर बाजारों की चहल-पहल साफ संकेत दे रही है कि इस बार होली पूरे जोश और उमंग के साथ मनाई जाएगी।

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत : धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के शृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और दुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन पर भद्रा का साया और होली पर चंद्र ग्रहण, जानिए कब क्या करें?

होलिका दहन के बाद दूसरे दिन होली खेली जाती है जिसे धुलेंडी कहते हैं। धुलेंडी यानी रंगवाली होली। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी पर भद्रा के साथ ही चंद्र ग्रहण का योग भी बन रहा है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि होलिका दहन की पूजा कब करें और कब होली खेलें। हिंदू पंचांग अनुसार 13 मार्च 2025 गुरुवार को होलिका दहन होगा और 14 मार्च शुक्रवार को धुलेंडी रहेगी लेकिन क्या है होलिका दहन का मुहूर्त और कब खेलें होली।

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ- 13 मार्च 2025 को सुबह 10 :35 बजे से प्रारंभ।

पूर्णिमा तिथि समाप्त- 14 मार्च 2025 को दोपहर 12 :23 बजे समाप्त।

भद्रा पूंछ- शाम को 06:57 से रात्रि 08:14 तक।

भद्रा मुख- रात्रि 08:14 से रात्रि 10:22 तक।

दिनांक 14 मार्च 2025 शुक्रवार को सुबह 09 :29 बजे से दोपहर 03 :29 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। होलिका दहन और होली पर भारत में चंद्र ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। होली पर चंद्र ग्रहण और सूतक काल का कोई प्रभाव नहीं रहेगा इसलिए धुलेंडी का पर्व मनाया जा सकता है। 13 मार्च 2025 को रात्रि में भद्रा के पूंछ काल में होलिका दहन कर सकते हैं। यदि भद्रा को छोड़ना है तो होलिका दहन श्रेष्ठ मुहूर्त- मध्यरात्रि 11 :26 से 12 :30 के बीच। इसके बाद दूसरे दिन रंग वाली होली खेल सकते हैं।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगिलयों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

युवाओं को खेलों से जोड़ने और फिटनेस संस्कृति विकसित करने पर सहमति

जम्मू, 02 मार्च (हि.स.)। खेल गतिविधियों को सशक्त बनाने और कटरा में स्थायी रनिंग कल्चर विकसित करने के उद्देश्य से चैंबर ऑफ ट्रेडर फेडरेशन के उपाध्यक्ष तुषार महाजन ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी आलोक कुमार मौर्य, सहायक वन संरक्षक विनय खजूरिया तथा मैकेनिकल इंजीनियर सुमित गंडोत्रा से मुलाकात की।

बैठक के दौरान युवाओं को खेलों से जोड़ने, फिटनेस को जीवनशैली के रूप में अपनाने तथा स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के लिए नियमित खेल मंच और आयोजनों के निर्माण पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर संस्थानों और खेल संगठनों के बीच समन्वय को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया ताकि क्षेत्र में खेल संस्कृति का दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में 'वन लेवल अप स्पोर्ट्स' से विजय सिंह की उपस्थिति ने चर्चा को और सार्थक बनाया। सभी ने मिलकर कटरा को स्वस्थ, सक्रिय और खेलोन्मुखी भविष्य की ओर अग्रसर करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

जल जीवन मिशन में भुगतान अटका, कठुआ में ठेकेदारों का फूटा गुस्सा

कठुआ, 02 मार्च (हि.स.)। जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों का बकाया भुगतान न मिलने से नाराज कांट्रेक्टर एसोसिएशन कठुआ के सदस्यों ने एकत्रित होकर पीएचई कार्यालय के समक्ष अपना रोष व्यक्त किया और सरकार व संबंधित विभाग के खिलाफ आवाज बुलंद की। ठेकेदारों का कहना है कि उन्होंने ‘हर घर जल, हर घर नल’ योजना को सफल बनाने के लिए जिले भर में ओवरहेड टैंक निर्माण, पाइपलाइन बिछाने सहित अन्य आवश्यक कार्य पूरे किए, लेकिन उन्हें अब तक उनका भुगतान नहीं मिला।

ठेकेदारों ने बताया कि इन कार्यों को पूरा करने के लिए उन्होंने बैंकों से लोन और लिमिट लेकर करोड़ों रुपये निवेश किए। भुगतान न होने के कारण उन्हें हर महीने लाखों रुपये ब्याज चुकाना पड़ रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी विभाग से भुगतान की मांग की जाती है तो यह कहकर टाल दिया जाता है कि इस परियोजना में घोटाले की जांच चल रही है। ठेकेदारों ने सवाल उठाया कि यदि कोई घोटाला हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दी जाए, लेकिन जिन ठेकेदारों ने नियमों और शर्तों के अनुसार काम पूरा किया है, उन्हें भुगतान से वंचित रखना अन्याय है। ठेकेदारों ने कहा कि जल जीवन मिशन को सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया गया था और उन्होंने पूरी ईमानदारी से कार्यों को अंजाम दिया।

उधमपुर-बिलावर सड़क की बदहाली पर जोरदार प्रदर्शन, प्रशासन ने शीघ्र मरम्मत का दिया आश्वासन

जम्मू, 02 मार्च (हि.स.)। उधमपुर से बिलावर को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क, विशेषकर उधमपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से गुजरने वाला हिस्सा लंबे समय से खस्ताहाल स्थिति में है। जगह-जगह गहरे गड्ढों के कारण यह सड़क कम और गड्ढों का जाल अधिक दिखाई देती है। इससे वाहन चालकों, खासकर दुपहिया सवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन हादसों की खबरें मिलती रहती हैं और कई लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं।

इसी समस्या को लेकर वरिष्ठ नेता पवन खजुरिया ने अपने समर्थकों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मनवाल बस स्टैंड पर

विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कुछ समय के लिए धार रोड को बंद कर धरना दिया और प्रशासन व बीआरओ के खिलाफ नारेबाजी की। धरने को संबोधित करते हुए पवन खजुरिया ने कहा कि यह सड़क हजारों लोगों की जीवन रेखा है लेकिन लंबे समय से इसकी अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वक्ताओं ने जल जीवन मिशन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि गांवों में आज भी पानी की समस्या बनी हुई है। इस दौरान तहसीलदार मजालता कामिनी चौधरी ने आश्वासन दिया कि वह मामले को उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाएंगी। पवन खजुरिया ने बताया कि केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी सड़क की स्थिति का संज्ञान लेते हुए बीआरओ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मशरूम की खेती का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

सांबा, 02 मार्च (हि.स.)। मशरूम की खेती में लगी 57 महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों ने जम्मू के शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह प्रशिक्षण यात्रा समग्र कृषि विकास योजना परियोजना - मशरूम की खेती को बढ़ावा के तहत आयोजित की गई थी और जिला विकास आयुक्त आयुषी सूडान ने मुख्य कृषि अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी और डीसीटीएस राख दहिसर के अधिकारियों की उपस्थिति में डीसी कार्यालय परिसर से समूह को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। महिला किसानों को मशरूम की खेती के क्षेत्र में नवीनतम नवाचारों, वैज्ञानिक तकनीकों और तकनीकी हस्तक्षेपों से अवगत कराया गया। इससे पहले जिला विकास आयुक्त ने प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण यात्रा का अधिकतम लाभ उठाने और प्रशिक्षण के दौरान प्रदर्शित उन्नत विधियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उपायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 की प्रगति की समीक्षा की

उधमपुर, 02 मार्च (हि.स.)। उपायुक्त उधमपुर मिंगा शेरपा ने आज जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए शहरी स्थानीय निकायों के अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त जुगल किशोर; मुख्य योजना अधिकारी उत्तम सिंह; सहायक राजस्व आयुक्त डॉ. उमेश शान और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। निदेशक ने जिले की एक नगर परिषद और दो नगर समितियों में योजना के कार्यान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा में पीएमएवाई-यू 2.0 की स्थिति, वर्ष 2025-26 के लिए जिला पूंजीगत व्यय कार्य नगर परिषद द्वारा शुरू की गई मेगा परियोजनाओं की प्रगति, बहुमंजिला पार्किंग सुविधाओं का निर्माण, स्ट्रीट लाइटों की स्थापना और रखरखाव, कचरा संग्रहण और निपटान तंत्र, तीनों नगरों में रात्रि प्रकाश व्यवस्था, कचरा डंपिंग पॉइंट्स की पहचान, पीएमएवाई-यू के तहत शुरू न किए गए कार्य और टाउन हॉल भवन के निर्माण को शामिल किया गया। डीसी ने तहसीलदारों को पीएमएवाई-यू लाभार्थियों के सभी लंबित राजस्व कागजात एक सप्ताह के भीतर निपटाने का निर्देश दिया। उन्होंने लाभ प्राप्त करने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू न करने वाले लाभार्थियों के खिलाफ वसूली की कार्यवाही शुरू करने का भी निर्देश दिया और प्रगति की गति तेज करने का आह्वान किया।

स्वस्थ राष्ट्र समृद्ध राष्ट्र पहल के तहत खेल प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ/हीरानगर, 02 मार्च (हि.स.)। स्वस्थ राष्ट्र, समृद्ध राष्ट्र थीम के तहत नेहरू युवा केंद्र द्वारा स्पोर्ट्स स्टेडियम हीरानगर में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह जेकेएएस ने डीएसपी (ऑपरेशन्स), तहसीलदार और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर विभिन्न शिक्षण संस्थानों और युवा क्लबों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने संबोधन में एसडीएम ने युवाओं के व्यक्तित्व विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं।

एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू, किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने की पहल

कठुआ/हीरानगर, 02 मार्च (हि.स.)। उपमंडल हीरानगर में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह जेकेएएस ने डीएसपी ऑपरेशन्स, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, तहसीलदार, बीडीओ तथा अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर एसडीएम ने एचपीवी वैक्सीन को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में प्रभावी बताते हुए अभिभावकों और समाज के लोगों से जागरूकता बढ़ाने और अभियान में सहयोग करने की अपील की। वहीं ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन किशोरियों को भविष्य में होने वाले संक्रमण और सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए सुरक्षित और प्रभावी उपाय है जिसे चिकित्सकीय निगरानी में लगाया जा रहा है।

जीजीएम साइंस कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

जम्मू, 02 मार्च (हि.स.)। यातायात अनुशासन को बढ़ावा देने और लोगों को जिम्मेदार सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को जीजीएम साइंस कॉलेज में रोड सेफ्टी एन्फोर्समेंट एवं अवेयरनेस गतिविधि का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के रोड सेफ्टी क्लब द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि युवाओं में जागरूकता और जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करने में शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि निरंतर

जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी से ही सड़क हादसों में कमी लाई जा सकती है।

रोड सेफ्टी क्लब के संयोजक डॉ. सुखदीप सिंह सासन ने कार्यक्रम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए अनुभवात्मक शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता को सड़क सुरक्षा संस्कृति विकसित करने का प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर राहुल कैत ने युवाओं से ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग के संदेशवाहक बनने की अपील की। इसके बाद छात्रों ने कॉलेज गेट के बाहर कैनाल रोड पर राहगीरों और वाहन चालकों से संवाद कर हेलमेट, सीट बेल्ट के उपयोग, पैदल यात्री सुरक्षा और जिम्मेदार ड्राइविंग के बारे में जागरूकता फैलायी।

गंग्याल में आयोजित भव्य संत सम्मेलन

जम्मू, 02 मार्च (हि.स.)। जम्मू गंग्याल के सबसे पुराने शिव मंदिर परिसर में एक भव्य और आध्यात्मिक रूप से प्रेरणादायक संत सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न स्थानों से सैकड़ों साधु, संत और साध्वियाँ शामिल हुईं। इस पवित्र सभा ने भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण बनाया, जिससे पूज्य संतों के ज्ञानवर्धक प्रवचनों से भक्त गहरे भावविभोर और प्रेरित हुए।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदातायो से फिरोजपुर मंडल में ई-नीलामी में आमंत्रित किया जाता हैं:

नीलामी सूची सं.	नीलामी शुरू होने का समय और तारीख	कार्य का नाम
EAFZR-PRKG26-4	13/03/2026 को 11.00 बजे	होशियारपुर रेलवे स्टेशन पर पार्किंग के लिए ठेके का आबंटन।
EAFZR-ATM26-5	16/03/2026 को 11.00 बजे	एटीएम स्थापित करने हेतु फिरोजपुर छावनी, फगवाड़ा, ढंडारी कलां, होशियारपुर, नवांशहर दोआबा एवं फाजिल्का रेलवे स्टेशनों पर अनुबंध का आबंटन।
EAFZR-CTG26-1	16/03/2026 को 11.00 बजे	फगवाड़ा रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टाल के लिए ठेके का आबंटन।
FZR-Linen-26-4	16/03/2026 को 11.30 बजे	फिरोजपुर मंडल के अंतर्गत प्राइमरी अनुरक्षण वाले मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के एसी कोचों में विज्ञापन अधिकार सहित लिनन कवर की आपूर्ति हेतु ठेके का आबंटन ।

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 712/26

तारकोट रोपवे के खिलाफ तीन दिवसीय ब्लड सिग्नेचर अभियान शुरू

जम्मू,, 02 मार्च (हि.स.)। कटरा में प्रस्तावित तारकोट रोपवे परियोजना के खिलाफ स्थानीय लोगों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। कह-कहकर थक गए, अब खून से भी लिखकर दे रहे हैं कि रोपवे हमें नहीं चाहिए इसी नारे के साथ लोगों ने अपना आक्रोश जाहिर किया। कटरा युवा एकता द्वारा कटरा के फाउंटेन चैक पर तीन दिवसीय ब्लड सिग्नेचर कैंपेन का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं और स्थानीय व्यापारियों ने रक्त से हस्ताक्षर कर तारकोट रोपवे के विरोध में अपनी आपत्ति दर्ज करवाई।

होली को लेकर कठुआ में प्रशासन अलर्ट, बाजारों में बढ़ी रौनक, शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

कठुआ, 02 मार्च (हि.स.)। होली के पर्व को लेकर कठुआ जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। त्योहार से पहले बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिल रही है, जहां लोग रंग, गुलाल, पिचकारी और अन्य होली से जुड़े सामान की खरीदारी में जुटे हुए हैं।

जिला प्रशासन और पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि होली का त्योहार आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं। अधिकारियों ने लोगों को रासायनिक रंगों के इस्तेमाल से बचने और पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) रंगों का उपयोग करने की सलाह दी है, ताकि किसी की सेहत या पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसी भी

प्रकार की हुड़दंग, कानून व्यवस्था भंग करने या शांति में बाधा डालने वाले तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस और प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाएं, ताकि होली का पर्व जिले में शांति, खुशी और भाईचारे के माहौल में संपन्न हो सके।

संत निरंकारी मिशन का भव्य सत्संग आयोजित

जम्मू, 02 मार्च (हि.स.)। संत निरंकारी मिशन शाखा जम्मू द्वारा मंडल गांव स्थित क्रिकेट स्टेडियम में एक भव्य सत्संग का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक समागम में क्षेत्रभर से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरा वातावरण भक्ति, शांति और एकता की भावना से ओत-प्रोत रहा। सत्संग की अध्यक्षता अनिल चाढ़क, प्रचारक, एसएनएम जम्मू ने की। अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति और सच्ची भक्ति का आचरण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भक्ति केवल बाहरी रीति-रिवाजों या परंपराओं तक सीमित नहीं है बल्कि सतगुरु की कृपा से निराकार परमात्मा की अनुभूति ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने कहा, ब्रह्मज्ञान प्राप्त कर परमात्मा का साक्षात्कार करना ही वास्तविक भक्ति है।

उन्होंने आगे बताया कि ब्रह्मज्ञान वह दिव्य दृष्टि है जो जीवित सतगुरु द्वारा प्रदान की जाती है जिससे साधक सर्वव्यापी परमात्मा को अपने भीतर और चारों

ओर अनुभव करता है। इस ज्ञान से जीवन में प्रेम, नम्रता, सहनशीलता, क्षमा और निस्वार्थ सेवा जैसे गुण स्वतः विकसित होते हैं तथा जाति, धर्म और क्षेत्र के भेदभाव से ऊपर उठकर संपूर्ण मानवता को एक परिवार के रूप में देखा जाता है। जोनल इंचार्ज जम्मू अजीत सिंह ने बताया कि पूज्य सुदीक्षा जी महाराज के दिव्य मार्गदर्शन में संत निरंकारी मिशन ज्ञान-आधारित भक्ति, एकता और निस्वार्थ सेवा का संदेश विश्वभर में प्रसारित कर रहा है। सत्संग का समापन सामूहिक लंगर के साथ हुआ। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा और ब्रह्मज्ञानमय जीवन जीने की नई ऊर्जा का स्रोत बना

उपायुक्त ने उधमपुर में जिला विकास विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

उधमपुर, 02 मार्च (हि.स.)। उधमपुर के उपायुक्त मिंगा शेरपा ने आज जिले में लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं के तहत भौतिक और वित्तीय प्रगति का आकलन करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों और फील्ड पदाधिकारियों की एक व्यापक समीक्षा बैठक बुलाई।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त जुगल किशोर, प्रोबेशनर सीरत बाजी, सहायक पंचायत आयुक्त अश्वनी हंसा, सभी ब्लॉक विकास अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संरक्षण के प्रारंभ में सहायक जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश ने विभिन्न आरडीडी पहलों के तहत योजना-वार और ब्लॉक-वार प्रगति का विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। डीसी ने एडीपी के तहत भौतिक और वित्तीय उपलब्धियों, केंद्र शासित प्रदेश क्षेत्र के तहत नए और चल रहे कार्यों की स्थिति सीडीएफ के तहत निर्वाचन क्षेत्र-वार प्रगति और अपनाई जा रही भुगतान प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने एमजीएनआरईजीए के तहत श्रेणीवार जॉब कार्ड जारी करने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के ब्लॉकवार कार्यान्वयन, स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रगति और कम्पोस्ट पिट, सोख पिट, डीईडब्ल्यूएटी, एफएसटीपी और गोबरधन परियोजनाओं के निर्माण की स्थिति का भी जायजा लिया।

डीसी ने राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत पंचायत घरों की ब्लॉकवार स्थिति और नए पंचायत घरों के निर्माण की भी समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को जिले में आरडीडी द्वारा किए गए सभी कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने का निर्देश दिया

जम्मू में 4 मार्च को खेली जाएगी रंगभरी होली, 3 मार्च को रहेगा चंद्रग्रहण

जम्मू, 02 मार्च (हि.स.)। फाल्गुन मास की पूर्णिमा पर मनाए जाने वाले होली पर्व को लेकर जम्मू में इस वर्ष विशेष धार्मिक गणनाएं सामने आई हैं। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि वर्ष 2026 में फाल्गुन पूर्णिमा 2 मार्च को सायं 5:56 बजे आरंभ होकर 3 मार्च को सायं 5:08 बजे समाप्त होगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि 3 मार्च को सूर्योदय-व्यापिनी पूर्णिमा तिथि के साथ चंद्रग्रहण एवं सूतक का प्रभाव रहेगा। इसलिए फाल्गुन पूर्णिमा का व्रत 2 मार्च को रखना शुभ रहेगा।

होलिका दहन का शास्त्रसम्मत मुहूर्त - महंत रोहित शास्त्री के अनुसार सनातन परंपरा में होलिका दहन सूर्यास्त के बाद और भद्रारहित समय में ही किया जाता है। वर्ष 2026 में 2 मार्च को पूर्णिमा लगते ही भद्रा आरंभ हो जाएगी जो 3 मार्च प्रातः 5:32 बजे तक रहेगी। 2 मार्च का प्रदोषकाल भद्रायुक्त होने से निषिद्ध रहेगा जबकि 3 मार्च के प्रदोषकाल में पूर्णिमा तिथि नहीं होगी। ऐसी स्थिति में 3 मार्च 2026 को भद्रा समाप्ति के बाद सूर्योदय से पूर्व प्रातः 5:19 से 6:25 बजे के मध्य होलिका दहन का शास्त्रसम्मत मुहूर्त रहेगा।

3 मार्च को वर्ष का पहला चंद्रग्रहण भारत में भी दृश्यमान रहेगा जिसका सूतक प्रातः 6-25 बजे से सायं 6-46 बजे तक प्रभावी रहेगा।

इसी कारण रंगों वाली होली 3 मार्च को नहीं खेली जाएगी। जम्मू में रंगभरी होली 4 मार्च 2026, बुधवार को उत्साह के साथ मनाई जाएगी। महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की विजय, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक एवं सुरक्षित रंगों के प्रयोग की अपील भी की ताकि पर्व आनंददायक और स्वास्थ्यकर बना रहे।

GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE DIVISIONAL FOREST OFFICER
BASOHLI FOREST DIVISION BASOHLI
Ph./Fax No. 01921-251050

SHORT TERM NOTICE INVITING e-TENDERS

Tender Notice No. : e-NIT No. 41of 2025-26 dated:28-02-2026

For and on behalf of the Lt. Governor, Union Territory of Jammu & Kashmir, e-tenders are invited from approved and eligible contractors registered with J&K Govt./Central Govt. Organizations for the following works:

S. No.	Detail of works	Adv. Cost (In lac)	Cost of Tender Document (in Rs.)	Earnest Money (in Rs.)	Time of completion	Class of Contract or
1	Plantation of PB Plants, Raising of PB plants in nursery, Providing & fixing of tree guards and other allied works in Co. 02/Bni, 03/Bni, 10/Bni, 12a/Bni, 33a/Bni& 33b/Bni of Bani Range, Basohli Forest Division.	5.557	600	3% of Advertised Cost	30 days(for Plantation, Raising & tree guards) BUC &Maintenance as per timeline)	C and D

1. Position of funds:Budgeted.
2. Position of TS/AA: Accorded Vide No: CFE/J/Deodar stumps/620-21 dated 24-02-2026.The important dates are as under:

Publishing Date	**28-02-2026**
Download Start Date	**28-02-2026**
Bid Submission Start Date	**28-02-2026**
Bid submission End Date	**06-03-2026 at 12:00 PM**
Date of opening of Bid (Online)	**06-03-2026 at 2:00 PM**

The e-NIT consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, bill of quantities, (B.O.Q), Set of Terms & Conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental Website: - www.jktenders.gov.in

Sd/-
(Suresh Kumar Sharma) JKFS
Divisional Forest Officer
Basohli Forest Division
Basohli

DIP/J-12288/25
Dtd: 2-3-2026

संपादकीय

फर्जी आदेश के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर प्रशासन को जम्मू डिवीजन में दो दिन की छुट्टियों की घोषणा संबंधी फर्जी आदेश प्रसारित करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। यह आदेश कथित रूप से कश्मीर डिवीजन के लिए जारी किए गए सरकारी आदेश की नकल कर तैयार किया गया था।

सूत्रों के अनुसार, निदेशक स्कूल शिक्षा जम्मू, डॉ. नसीम जावेद चौधरी ने स्पष्ट किया है कि जम्मू प्रांत के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालय सामान्य रूप से खुले रहेंगे और इस संबंध में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा आदेश पूर्णतः फर्जी है।

यह आवश्यक है कि प्रशासन इस गंभीर मामले का संज्ञान ले, क्योंकि उस समय जब 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाएं पूरे प्रांत में चल रही हैं, इस प्रकार का भ्रम फैलाना अव्यवस्था उत्पन्न करने का प्रयास है। ऐसी अफरा-तफरी न केवल विद्यार्थियों की पढ़ाई को प्रभावित कर सकती है, बल्कि परीक्षार्थियों और संबंधित पक्षों के बीच गलत जानकारी भी फैला सकती है। केवल स्पष्टीकरण देना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि किसी ने विद्यार्थियों के भविष्य और क्षेत्र की सार्वजनिक व्यवस्था को हल्के में लिया है। अतः दोषी की पहचान कर कानून के अनुसार दंडित करना आवश्यक है, ताकि फर्जी खबरों के प्रसार पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी के विरुद्ध की गई कार्रवाई उदाहरणात्मक हो, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की हरकत करने का साहस न करे।

केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को बिना समय गंवाए जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि क्षेत्र में अराजकता फैलाने के ऐसे प्रयास किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। इस अपराध के प्रति लापरवाही अन्य लोगों को भी ऐसे कृत्य करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जो कि अस्वीकार्य है। आधिकारिक आदेश केवल सत्यापित वेबसाइटों और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से जारी किए जाने चाहिए, तथा लोगों को नियमित रूप से यह जानकारी दी जानी चाहिए कि प्रामाणिक सूचना कहां से प्राप्त करें। विद्यालयों और स्थानीय प्रशासन को भी विद्यार्थियों और अभिभावकों को यह सलाह देनी चाहिए कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें, न कि किसी भी अग्रेषित संदेश पर।

इस विशेष मामले में कश्मीर प्रांत के लिए जारी आदेश में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख होना चाहिए था कि जम्मू प्रांत में कोई अवकाश नहीं है, ताकि पूर्व की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए भ्रम की स्थिति से बचा जा सके। समाज का एक बड़ा वर्ग बिना परिणामों पर विचार किए अप्रमाणित संदेश साझा करना शुरू कर देता है। इसलिए जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है, ताकि लोग समझ सकें कि अपुष्ट जानकारी साझा करना हितधारकों को नुकसान पहुंचा सकता है और सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित कर सकता है।

इस मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई एक उदाहरण स्थापित कर सकती है, जिससे भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की गैर-जिम्मेदाराना हरकत करने का प्रयास न करे।

समावेशी विकास की ओर बढ़ता मध्य प्रदेश- केंद्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार

-प्रद्युम्न शर्मा

मध्य प्रदेश में इस साल मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष की पहली कृषि कैबिनेट जनजातीय बहुल जिले बड़वानी में होना और उसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में अनेक किसानों के हित में निर्णय लेने की दिशा में आगे बढ़ना आज बता रहा है कि राज्य विकास के धरातल पर अपनी किन प्राथमिकताओं को लेकर चल रहा है।

इस दृष्टि से मध्य प्रदेश सरकार का वर्ष 2026-27 का बजट राज्य के विकास मॉडल को नए ढंग से परिभाषित करता नजर आता है।

कहना होगा कि हाल ही में सामने आए मप्र के बजट में जहां एक ओर दीर्घकालीन योजनाओं के लिए वित्तीय प्रबंधन की रणनीति दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का स्पष्ट प्रयास भी झलकता है। समावेशी बजट, सशक्त नागरिक के नारे के साथ पेश किए गए इस बजट की थीम तेरा तुझको अर्पण रखी गई है, जो यह संकेत देती है कि विकास का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

बजट का सबसे बड़ा फोकस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन पर दिखाई देता है। इसी दिशा में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए विकसित भारत - रोजगार की गारंटी और आजीविका मिशन (ग्रामीण)5 के लिए 10,428 करोड़ रुपये की बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में अहम भूमिका निभा सकती है। राज्य सरकार का मानना है कि इस मिशन के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और पलायन की समस्या में भी कमी आएगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को इस बजट में विशेष प्राथमिकता दी गई है। वर्ष 2026-27 में इस विभाग के लिए कुल 40,103 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित किया गया है। यह राशि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास, सामाजिक योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने के लिए उपयोग की जाएगी। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार विभाग को अधिक बजट आवंटित किया गया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि सरकार ग्रामीण विकास को अपने एजेंडे के केंद्र में रख रही है।

ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की पहल

ग्रामीण सड़कों के निर्माण और उन्नयन के लिए 2,968 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर होने से कृषि उत्पादों के बाजार तक पहुंच आसान होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़कों के नवीनीकरण और उन्नयन के लिए 1,285 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे पहले से बनी सड़कों की गुणवत्ता में सुधार होगा और परिवहन व्यवस्था अधिक सुगम बनेगी।

तीन वर्षीय रोलिंग बजट की नई व्यवस्था

इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक तीन वर्षीय रोलिंग बजट व्यवस्था है। इस प्रणाली का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास योजनाएं केवल एक वर्ष की सीमा में न सिमटें, बल्कि उन्हें दीर्घकालीन लक्ष्य और वित्तीय स्थिरता के साथ लागू किया जा सके। इस तरह की व्यवस्था से सरकार को बड़े विकासात्मक प्रोजेक्ट्स के लिए बेहतर योजना बनाने और संसाधनों का संतुलित उपयोग करने में मदद मिलेगी।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक आधारित बजटिंग का प्रयोग

इस बजट की एक और विशेषता यह है कि इसमें मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स आधारित बजटिंग को संस्थागत रूप देने का प्रयास किया गया है। यह अपनी तरह का पहला प्रयास माना जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि विकास योजनाओं का लाभ उन क्षेत्रों तक प्राथमिकता से पहुंचे जो पहले से ही अभावग्रस्त और पिछड़े के रूप में चिन्हित किए गए हैं। इस व्यवस्था से सरकारी खर्च को परिणाम आधारित बनाया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि संसाधनों का उपयोग वास्तव में गरीबी कम करने और जीवन स्तर सुधारने में हो।

खनिज राजस्व से स्थानीय विकास को बल

खनिज संपदा से मिलने वाले राजस्व का भी स्थानीय विकास में उपयोग सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है। जिला खनिज निधि के लिए 1,400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि गौण खनिज राजस्व से पंचायतों को 934 करोड़ रुपये अंतरित किए जाएंगे। इससे खनन प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं और सामाजिक विकास योजनाओं को मजबूती मिल सकेगी।

पोषण और कनेक्टिविटी योजनाओं को प्राथमिकता

पोषण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को भी बजट में पर्याप्त प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के लिए 1,100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसका उद्देश्य बच्चों में कुपोषण को कम करना और विद्यालयों में पोषण स्तर सुधारना है। इसके अलावा मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना के लिए 793 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे छोटे-छोटे गांवों और बस्तियों को मुख्य सड़कों से जोड़ा जा सकेगा।

प्रमुख योजनाओं के लिए बढ़ा बजट प्रावधान

सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए भी पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अधिक राशि स्वीकृत की है। इनमें ग्राम स्वराज अभियान, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना, क्षतिग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण, मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेडी टू ईट टेक होम राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास मिशन, वाटरशेड विकास और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी योजनाएं शामिल हैं।

ग्रामीण जीवन स्तर सुधारने की दिशा में प्रयास

इन योजनाओं का सीधा संबंध ग्रामीण जीवन स्तर को बेहतर बनाने से है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास मिशन के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। वहीं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को मजबूत कर महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

पोषण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को भी बजट में पर्याप्त प्राथमिकता दी गई है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के लिए 1,100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसका उद्देश्य बच्चों में कुपोषण को कम करना और विद्यालयों में पोषण स्तर सुधारना है।

समावेशी विकास की व्यापक रणनीति

अत- कहना होगा कि मध्य प्रदेश का यह बजट सिर्फ आंकड़ों का दस्तावेजीकण न होकर विकास की एक व्यापक रणनीति का संकेत देता है। इसमें ग्रामीण बुनियादी ढांचे, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और गरीबी उन्मूलन को एक साथ जोड़कर विकास की समावेशी अवधारणा को आगे बढ़ाने की कोशिश की गई है। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो यह बजट राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

राज्य सरकार के इस बजट से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि आने वाले वर्षों में राज्य का विकास मॉडल ग्रामीण सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और सामाजिक समावेशन के आधार पर आगे बढ़ने वाला है। यही वजह है कि इसे राज्य के आर्थिक भविष्य की दिशा तय करने वाला बजट भी माना जा रहा है। वहीं समझनेवाली बात यह भी है कि इस दिशा में प्रभावी कदम किसान कल्याण वर्ष की पहली कृषि कैबिनेट जनजातीय बहुल जिले बड़वानी में कर डॉ. मोहन सरकार की ओर से अब ये संकेत भी दे दिया गया है कि उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं!

(लेखक राज्य प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं स्तम्भकार हैं)

यमुना चौराहे पर- जल सुरक्षा और जनस्वास्थ्य के लिए निर्णायक बजटीय संकल्प

डॉ. शिव सिंह रावत

यमुना आज इतिहास के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। कभी जीवन, संस्कृति और समृद्धि की धारा रही यह नदी अब हमारे विकास मॉडल की विडंबनाओं को उजागर कर रही है। तेजी से फैलते शहर, सिकुड़ते बाढ़क्षेत्र और बढ़ता प्रदूषण। जब केंद्र, हरियाणा और दिल्ली की सरकारें अपनी बजटीय प्राथमिकताएं तय कर रही हैं, तब सुशासन की असली कसौटी एक्सप्रेस-वे या गगनचुंबी इमारतें नहीं, बल्कि यह होगी कि क्या करोड़ों नागरिकों के लिए स्वच्छ और पर्याप्त यमुना जल सुनिश्चित किया जा सका। जल सुरक्षा अब केवल पर्यावरणीय विमर्श नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता का आधार है।

हरियाणा के लिए यमुना जिम्मेदारी और सुधार- दोनों का प्रतीक है। यमुना में प्रवेश करने वाला बड़ा प्रदूषण भार पानीपत, सोनीपत, दिल्ली, फरीदाबाद और गुरुग्राम जैसे औद्योगिक एवं शहरी क्षेत्रों से होकर गुजरता है। अनुपचारित सीवेज, वस्त्र उद्योगों के रासायनिक अपशिष्ट और अनियंत्रित नालों ने नदी की पारिस्थितिकी को गंभीर क्षति पहुंचाई है। अब बजट में केवल बढ़ी हुई राशि नहीं, बल्कि स्पष्ट और मापनीय परिणामों का संकल्प आवश्यक है- शत-प्रतिशत सीवेज शोधन, शून्य अनुपचारित डिस्चार्ज, औद्योगिक अपशिष्ट का रियल-टाइम निगरानी तंत्र, नदी में मिलने से पहले नालों का समयबद्ध अवरोधन, तथा आर्द्रभूमियों और बाढ़क्षेत्रों का पुनर्जीवन।

विशेष रूप से नहर-आधारित क्षेत्रों के लिए चिंता का विषय हैं, जहां सिंचाई ओखला बैराज से छोड़े गए यमुना जल पर निर्भर है। यदि इस जल की गुणवत्ता गिरती है तो इसका सीधा प्रभाव कृषि उत्पादकता, खाद्य श्रृंखला और ग्रामीण स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए यमुना संरक्षण केवल पर्यावरणीय पहल नहीं, बल्कि किसानों की आय, खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा प्रश्न है।

दिल्ली की जवाबदेही भी उतनी ही केंद्रीय है। राष्ट्रीय राजधानी अपनी पेयजल आवश्यकताओं के लिए यमुना पर अत्यधिक निर्भर है, किंतु शहर के भीतर नदी का स्वरूप अक्सर अपशिष्ट नाले जैसा प्रतीत होता है। बजट में अनधिकृत कॉलोनियों में विकेन्द्रीकृत सीवेज शोधन संयंत्र, इंटरसेप्टर सीवर परियोजनाओं की शीघ्र पूर्णता, जर्जर जल एवं सीवर पाइपलाइनों का व्यापक प्रतिस्थापन तथा उपचारित जल के अनिवार्य पुनः उपयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रियल-टाइम जल गुणवत्ता डैशबोर्ड पारदर्शिता को सुदृढ़ करेगा और जनविश्वास बहाल करेगा।

भूजल संकट इस परिदृश्य को और जटिल बनाता है। दिल्ली-एनसीआर के कई क्षेत्रों में नाइट्रेट, यूरेनियम और उच्च टीडीएस स्तर चिंताजनक हैं, जो अंधाधुंध दोहन और क्षीण होते जलभृतों का संकेत देते हैं। अत्यधिक कंक्रीटीकरण और अतिक्रमण ने प्राकृतिक रिचार्ज क्षेत्रों को समाप्त कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप मानसून में बाढ़ और ग्रीष्म में जल-अभाव का दुष्चक्र बन गया है। यह संकट केवल जलविज्ञान का नहीं, बल्कि अव्यवस्थित भूमि उपयोग और कमजोर संस्थागत समन्वय का परिणाम है।

अतः बजट को पारंपरिक 'ग्रे इंफ्रास्ट्रक्चर' से आगे बढ़कर पुनर्योजी, प्रकृति-आधारित समाधानों की ओर निर्णायक परिवर्तन का संदेश देना चाहिए।

बजट में निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रावधान किया जाना चाहिए-

प्रथम, सभी शहरी परिसरों में अनिवार्य वर्षा जल संचयन और प्रेरित भूजल रिचार्ज को सख्ती से लागू किया जाए। पार्कों, स्टेडियमों और सार्वजनिक स्थलों के नीचे भूमिगत बाढ़-जल भंडारण संरचनाएं विकसित कर बाढ़ को भविष्य के जल भंडार में बदला जा सकता है।

द्वितीय, गहरे भूमिगत सीवर सुरंग नेटवर्क विकसित किए जाएं, ताकि अनुपचारित सीवेज सीधे नदियों में न पहुँचे। रिसावग्रस्त पाइपलाइनों का प्रतिस्थापन नियमित रखरखाव नहीं, बल्कि तात्कालिक अवसंरचनात्मक सुधार माना जाए।

तृतीय, तालाबों, आर्द्रभूमियों और नहर प्रणालियों का क्लस्टर-आधारित पुनर्जीवन किया जाए। यमुना बाढ़क्षेत्र और अरावली क्षेत्र में देशी प्रजातियों का बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, निर्मित आर्द्रभूमियाँ और जैव-उपचार गलियारे—ये सभी टिकाऊ एवं किफायती समाधान सिद्ध हो सकते हैं।

चतुर्थ, प्रकृति-आधारित अपशिष्ट जल शोधन उपाय जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं का उपयोग करके कम लागत, टिकाऊ तथा दीर्घकालिक समाधान प्रदान कर सकते हैं।

अंत में तकनीक को जवाबदेही का आधार बनाया जाए। जल गुणवत्ता, भूजल स्तर और बाढ़ जोखिम की रियल-टाइम निगरानी के लिए डिजिटल डैशबोर्ड विकसित किए जाएं। ब्लू-ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की अवधारणा—जो हरित क्षेत्रों को जल निकायों से जोड़ती है—बाढ़ जोखिम कम करने, जल गुणवत्ता सुधारने और जैव विविधता बढ़ाने में सहायक होगी। अंततः, जवाबदेही को संस्थागत स्वरूप देना अनिवार्य है। जल शक्ति अभियान और जल जीवन मिशन जैसे कार्यक्रमों की निधियों को स्पष्ट प्रदर्शन संकेतकों से जोड़ा जाए। विभागों और अधिकारियों की जिम्मेदारी पारदर्शी रूप से निर्धारित हो, ताकि लापरवाही के परिणाम सुनिश्चित हों।

यमुना का पतन अपरिहार्य नहीं है; यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। बजट दिशा बदल सकते हैं- यदि वे विज्ञान, दीर्घकालिक स्थिरता और जनहित से संचालित हों। स्वच्छ और पर्याप्त यमुना जल को पारदर्शी वित्तपोषण और समयबद्ध लक्ष्यों के साथ राष्ट्रीय संकल्प बनाया जाना चाहिए।

यदि नदियां अस्वस्थ होंगी, तो शहर भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। विकल्प स्पष्ट है- या तो हम संकटों का प्रबंधन करते रहें, या स्थायी सुधार में निवेश करें। यमुना प्रतीक्षा नहीं कर सकती और न ही वे करोड़ों लोग जिनका जीवन उसकी धारा से जुड़ा है।

पानी प्रतीक्षा नहीं करता। यदि सरकार का बजट वास्तव में प्राथमिकताओं का दर्पण हैं, तो यमुना को सर्वोच्च स्थान मिलना ही चाहिए।

(लेखक, हरियाणा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के पूर्व अधीक्षण अभियंता और वॉक फॉर यमुना अभियान के संयोजक हैं।)

जीएसटी संग्रह ने फिर दिखाया भारत की आर्थिक ताकत को

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एक बार फिर कर संग्रह के ताजा आंकड़ों ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। फरवरी 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में 8.1 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज होना यह बताता है कि घरेलू मांग, आयात गतिविधियों और कर ढांचे की स्थिरता मिलकर अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार दे रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि यह बढ़त उस समय सामने आई है जब सरकार ने हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती और टैक्स ढांचे को सरल बनाने जैसे बड़े सुधार लागू किए हैं।

फरवरी 2026 में जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जोकि पिछले वर्ष इसी महीने 1.69 लाख करोड़ रुपये था। यह वृद्धि इस बात का संकेत है कि देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर विस्तार हो रहा है। विशेष रूप से आयात और घरेलू खपत दोनों में तेजी ने कर संग्रह को मजबूती दी है।यह आंकड़ा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक स्तर पर आर्थिक चुनौतियां और आपूर्ति श्रृंखला में अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे माहौल में भारत का राजस्व संग्रह स्थिर वृद्धि दिखा रहा है, जोकि आर्थिक मजबूती का स्पष्ट संकेत है।

घरेलू मांग में सुधार बना मुख्य आधार

जीएसटी संग्रह में वृद्धि का एक बड़ा कारण घरेलू मांग में सुधार रहा है। फरवरी में घरेलू सकल राजस्व 5.3 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये रहा।यह संकेत देता है कि उपभोक्ता खर्च में धीरे-धीरे तेजी आ रही है। त्योहारों के बाद भी खपत का स्तर मजबूत बना रहना इस बात की पुष्टि करता है कि भारत की आंतरिक मांग अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी इंजन बन चुकी है। खासतौर पर खुदरा बाजार, सेवा क्षेत्र और विनिर्माण गतिविधियों में सुधार का असर कर संग्रह पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

आयात से राजस्व में तेज उछाल

फरवरी के आंकड़ों में एक और उल्लेखनीय पहलू आयात से मिलने वाले कर राजस्व में तेज वृद्धि है। आयात से प्राप्त सकल राजस्व 17.2 प्रतिशत बढ़कर 47,837 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि दो महत्वपूर्ण संकेत देती है; पहला, भारत में औद्योगिक उत्पादन और उपभोग के लिए कच्चे माल और उत्पादों की मांग बढ़ रही है; दूसरा, वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी सक्रिय बनी हुई है।

जीएसटी 2.0 सुधारों के बावजूद स्थिर वृद्धि

सितंबर 2025 में सरकार ने जीएसटी ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए करीब 375 वस्तुओं पर कर दरें घटा दी थीं। इसके साथ ही चार टैक्स स्लैब को घटाकर दो प्रमुख स्लैब 05 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया गया।

सुधार लागू होने के शुरुआती महीनों में संग्रह में हल्की गिरावट देखी गई थी। नवंबर 2025 में जीएसटी संग्रह घटकर 1.70 लाख करोड़ रुपये रह गया था। लेकिन इसके बाद अर्थव्यवस्था ने तेजी से संतुलन स्थापित किया और दिसंबर में संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये तथा जनवरी में 1.93 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फरवरी के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि कर दरों में कटौती के बावजूद राजस्व स्थिर बना हुआ है।

वित्त वर्ष में लगातार बढ़ रहा कुल संग्रह

वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत से फरवरी तक कुल जीएसटी संग्रह 20.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 18.71 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 8.3 प्रतिशत अधिक है।

उच्च आधार के बावजूद इतनी वृद्धि यह दर्शाती है कि कर संग्रह में संरचनात्मक मजबूती आ रही है।यह प्रवृत्ति यह भी बताती है कि डिजिटल कर प्रणाली, ई-इनवॉइसिंग और बेहतर अनुपालन जैसे कदमों का देश भर में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है।

कर संरचना में संतुलन का संकेत

फरवरी के जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 37,473 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 45,900 करोड़ रुपये रहा। वहीं इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) 1,00,236 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह वितरण इस बात को दर्शाता है कि केंद्र और राज्यों के बीच कर साझेदारी संतुलित तरीके से आगे बढ़ रही है।

रिफंड में वृद्धि से उद्योग को राहत

फरवरी में सरकार ने 22,595 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.2 प्रतिशत अधिक है। रिफंड प्रणाली का तेज और पारदर्शी होना निर्यातकों और उद्योगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे उनकी नकदी प्रवाह की समस्या कम होती है और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलती है। रिफंड को घटाने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.9 प्रतिशत अधिक है।

सितंबर 2025 में सरकार ने जीएसटी ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए करीब 375 वस्तुओं पर कर दरें घटा दी थीं। इसके साथ ही चार टैक्स स्लैब को घटाकर दो प्रमुख स्लैब 05 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया गया।सुधार लागू होने के शुरुआती महीनों में संग्रह में हल्की गिरावट देखी गई थी। नवंबर 2025 में जीएसटी संग्रह घटकर 1.70 लाख करोड़ रुपये रह गया था। लेकिन इसके बाद अर्थव्यवस्था ने तेजी से संतुलन स्थापित किया और दिसंबर में संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये तथा जनवरी में 1.93 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। फरवरी के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि कर दरों में कटौती के बावजूद राजस्व स्थिर बना हुआ है।

विशेषज्ञों की नजर में परिपक्व हो रही कर व्यवस्था

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह आंकड़े भारत की खपत आधारित अर्थव्यवस्था की ताकत को दर्शाते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में कमोडिटी मार्केट में कार्यरत आर्थिक विशेषज्ञ रवि रंजन सिंह के अनुसार, दरों में कटौती के बावजूद संग्रह में वृद्धि यह दिखाती है कि उपभोग में आई तेजी ने राजस्व को संतुलित कर दिया है।

उनका कहना है कि जीएसटी अब एक स्थिर और अनुमानित वृद्धि के चरण में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल संग्रह 20.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जोकि 8.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और यह बताता है कि उच्च आधार के बावजूद राजस्व में संरचनात्मक स्थिरता बनी हुई है। वास्तव में यह भारत के कर ढांचे के परिपक्व होने और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का संकेत है।

जीपीएल सीजन-2 में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए लागू होगी ड्राफ्ट प्रणाली

एजेंसी

नई दिल्ली। यूरोप, अफ्रीका और एशिया के विभिन्न देशों से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी की पुष्टि के बाद ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) ने रविवार को घोषणा की कि सीजन-2 में संतुलित और प्रतिस्पर्धी टीमें तैयार करने के उद्देश्य से एक संरचित प्लेयर ड्राफ्ट प्रणाली लागू की जाएगी। यह ड्राफ्ट प्रणाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को एकीकृत करने के लिए तैयार की गई है। जीपीकेएल सीजन 2 में प्रत्येक फ्रेंचाइज़ी दो टीमें एक पुरुष और एक महिला टीम उतारेगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक टीम में विदेशी और प्रवासी खिलाड़ियों का मिश्रण अनिवार्य होगा, जो भारत की मजबूत कबड्डी परंपरा को उभरती वैश्विक भागीदारी से जोड़ने की लीग की मूल भावना को प्रतिबिंबित करता है। अपने पहले सीजन में जीआईपीकेएल के रूप में शुरुआत करने के बाद सीजन 2 की यह ड्राफ्ट प्रणाली पेशेवर रूप से संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन वाली टीमों के निर्माण की दिशा में अगला कदम है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समावेशन को भी प्राथमिकता दी गई है। इस मॉडल के तहत संरचित ट्रायल्स से उभरने वाले खिलाड़ियों का तकनीकी कौशल, फिटनेस, सामरिक समझ और टीम के अनुरूप ढलने की क्षमता के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा, जिसके बाद उन्हें केंद्रीय ड्राफ्ट पूल में शामिल किया जाएगा।

ड्रिंक्स ब्रेक में लेजर शो पर भड़के गावस्कर-शास्त्री, आयोजकों को लगाई फटकार

कोलकाता। Sunil Gavaskar और Ravi Shastri ने कोलकाता के श्वस्त्रद्दठ्ठ लड्डह्स्त्रद्दठ्ठह्य में खेले गए भारत बनाम वेस्टइंडीज सुपर-8 मुकाबले के दौरान ड्रिंक्स ब्रेक में हुए लेजर शो की कड़ी आलोचना की। यह मुकाबला वर्चुअल क्वार्टरफाइनल जैसा था। 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत पावरप्ले खत्म होने तक 53/2 पर था। इसी दौरान स्टेडियम की लाइटें मंद कर लेजर शो किया गया, जिस पर दोनों पूर्व कप्तानों ने सवाल उठाए। गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान कहा, 'ड्रिंक्स ब्रेक के दो-ढाई मिनट में लेजर शो... यह बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं है। आंखों को फिर से तेज रोशनी में ढालना मुश्किल होता है, खासकर जब चारों तरफ अंधेरा हो।' रवि शास्त्री ने भी गावस्कर की बात से सहमति जताई। उनका मानना है कि इस तरह का मनोरंजन आईपीएल के लीग चरण तक सीमित रहना चाहिए, वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में नहीं। शास्त्री ने कहा, 'यह वर्ल्ड कप है। क्या दो-ढाई मिनट के ब्रेक में इस तरह के शो की जरूरत है? आईपीएल के बीच में ठीक है, लेकिन नॉकआउट या वर्ल्ड कप मुकाबले में नहीं। खिलाड़ियों के लिए दोबारा फोकस करना आसान नहीं होता। यह गंभीर मामला है।'

संजू सैमसन नहीं, गंभीर ने कहा- इस खिलाड़ी ने मैच को पलटने का काम किया

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ रोमांचक मुकाबले के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने जीत का श्रेय सिर्फ संजू सैमसन की मैच जिताऊ पारी को नहीं, बल्कि टीम के छोटे-छोटे योगदानों को भी दिया। गंभीर ने खास तौर पर शिवम दुबे की 19वें ओवर में लगाई गई दो अहम बाउंड्री को मैच का निर्णायक मोड़ बताया। उनके मुताबिक अगर उस समय दबाव कम नहीं होता तो नतीजा कुछ और भी हो सकता था। भारत अब सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में Gautam Gambhir ने कहा कि यह टीम गेम है और हर योगदान मायने रखता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिवम दुबे के दो चौके संजू सैमसन की 97 रन की पारी जितने ही महत्वपूर्ण थे। गंभीर ने कहा कि जब 10 गेंदों पर 17 रन की जरूरत थी और हार्दिक पांड्या आउट हो चुके थे, तब दबाव चरम पर था। ऐसे में क्रीज पर आते ही दुबे ने लगातार दो बाउंड्री लगाकर मैच का रुख बदल दिया। इससे सैमसन पर से काफी दबाव कम हुआ और टीम को लय मिल गई। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में 19वां ओवर निर्णायक साबित हुआ। Shivam Dube ने आते ही आक्रामक रुख अपनाया। उस समय मैच फिसलता हुआ नजर आ रहा था, लेकिन दुबे की सकारात्मक बल्लेबाजी ने समीकरण आसान कर दिया। गंभीर ने कहा कि अगर उस ओवर में रन नहीं आते, तो शायद पूरी चर्चा अलग होती। उन्होंने दोहराया कि टीम की सफलता सामूहिक प्रयास का नतीजा होती है, न कि सिर्फ एक खिलाड़ी के प्रदर्शन का।

97 रनों की तूफानी पारी के बाद संजू सैमसन ने इन तीन दिग्गजों को दिया श्रेय

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने वेस्ट इंडीज़ को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजू सैमसन ने अपनी इस पारी का श्रेय भारतीय क्रिकेट के दिग्गजों - एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा - को दिया। सैमसन ने कहा, 'मैंने विराट कोहली, रोहित शर्मा और एमएस धोनी जैसे महान खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखा है। मैंने देखा है कि वे परिस्थितियों के अनुसार अपना खेल कैसे बदलते हैं। उसी अनुभव ने मुझे आज मदद की।' उन्होंने आगे कहा कि यह पारी उनके लिए बेहद खास है क्योंकि करियर में कई उतार-चढ़ाव आए, कई बार खुद पर संदेह हुआ, लेकिन आज का दिन उनके जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक है।

भारत सेमीफाइनल में, संजू सैमसन की 97 रनों की तूफानी पारी, अब 5 मार्च को इंग्लैंड से महामुकाबला

एजेंसी

कोलकाता, ईडन गार्डन्स। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया है। अब टीम इंडिया 5 मार्च को मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलेगी। सैमसन का 'संजू-शो': जीत के हीरो 196 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन महज 10-10 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने एक छोर मजबूती से संभाला।

संजू सैमसन: 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन (12 चौके और 4 छक्के)।

अन्य योगदान: तिलक वर्मा ने 27 रन और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 18 रन बनाकर संजू का साथ दिया।

वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी और बुमराह की धार

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 195 रन बनाए। **विंडीज पारी:** रोस्टन चेज (40) और जेसन होल्डर (नाबाद 37) ने कैरेबियाई टीम को बड़े स्कोर तक पहुँचाया। आखिरी के 5 ओवरों में वेस्टइंडीज ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 70 रन बटोरे।

भारतीय गेंदबाजी: टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 विकेट झटके।

अगला पड़ाव: इंग्लैंड से भिड़ंत सेमीफाइनल में भारत का सामना अब इंग्लैंड से होगा। वानखेड़े की पिच पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी।

प्राग इंटरनेशनल शतरंज फेस्टिवल के चौथे दौर में डी. गुकेश को डेविड नवारा ने रोका

एजेंसी

प्राग। प्राग इंटरनेशनल शतरंज फेस्टिवल के चौथे दौर में विश्व चैंपियन डी. गुकेश की पहली जीत की तलाश जारी रही। उन्हें चेक गणराज्य के दिग्गज ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा ने ड्रॉ पर रोक दिया। डी. गुकेश ने 'रूई लोपेज बर्लिन' ओपनिंग में बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन अनुभवी डेविड नवारा ने सटीक बचाव किया। 72 चालों के बाद रूक और प्यादों के एंडगेम में मुकाबला ड्रॉ रहा।इसी दिन नीदरलैंड के जॉर्डन वान फोरेस्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मुकाबलों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। उन्होंने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुब्बोएव को पराजित किया। गत चैंपियन अरविंद चितांबरम को जर्मनी के विन्सेंट कीमर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।अन्य मुकाबलों में अमेरिका के हैंस मोक नीमन और ईरान के परहाम मगसूदलू के बीच बाजी बराबरी पर छूटी। स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी अंक साझा किए। अंक तालिका में जॉर्डन वान फोरेस्ट तीन अंकों के साथ शीर्ष पर है। उनके पीछे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और डेविड नवारा ढाई अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नोदिरबेक याकुब्बोएव, विन्सेंट कीमर और डेविड एंटोन गुइजारो उनसे आधा अंक पीछे हैं। डी. गुकेश, अरविंद चितांबरम, हैंस मोक नीमन और परहाम मगसूदलू 1.5 अंकों के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। अरविंद चितांबरम ने 'फिलिडोर डिफेंस' अपनाया, पर विन्सेंट कीमर ने किंग-साइड आक्रमण से बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने पहले एक प्यादा और फिर एक ऊंट गंवाया, जिसके बाद वापसी संभव नहीं हो सकी।

'ईरान और इजरायल युद्ध का असर', जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम को स्वेदश लौटने में हो रही देरी

एजेंसी

नई दिल्ली । ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का असर टी20 विश्व कप 2026 की व्यवस्थाओं पर पड़ा है। विश्व कप में अपना सफर समाप्त करने के बाद भी जिम्बाब्वे की टीम स्वदेश नहीं लौट पा रही है। दरअसल, ईरान ने इजरायल की तरफ से हुए हमलों पर पलटवार करते हुए मिडिल ईस्ट के कई देशों पर हमले किए हैं। यूएई का नाम भी इसमें शामिल है। दुबई एयरपोर्ट के आस-पास भी धमाके हुए हैं। इस वजह से दुबई एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। जिम्बाब्वे की टीम को सोमवार को नई दिल्ली से निकलते हुए दुबई से अपने देश के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी थी। एयरपोर्ट बंद होने की वजह से जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों की स्वदेश यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने कहा, 'खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति को नजरअंदाज करना मुश्किल है। सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार की सुबह घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर चर्चा हो रही है। टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच शुरू होने तक कोई अपडेट नहीं था।'

फिलहाल जिम्बाब्वे के खिलाड़ी दिल्ली में रुके हुए हैं और अगली सूचना का इंतजार कर रहे हैं। टीम अब तय नहीं बल्कि अगले शेड्यूल और कार्यक्रम के मुताबिक स्वेदश लौटेगी। दुबई एयरपोर्ट बंद होने की वजह से जिम्बाब्वे के खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के लिए अदीस अबाबा स्थित इथियोपियन एयरलाइंस के जरिए उन्हें स्वदेश भेजने की व्यवस्था की जा सकती है। आईसीसी ने शनिवार को कहा था कि टी20 विश्व कप के बाद

स्वदेश लौटने वाले खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था पर काम किया जा रहा है।

सिकंदर रजा की कप्तानी वाली जिम्बाब्वे का ग्रुप स्टेज में अच्छा प्रदर्शन रहा था। टीम ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका जैसी टीमों को हराकर सुपर-8 में पहुंची थी। सुपर-8 में जिम्बाब्वे कोई कमाल नहीं कर सकी। वेस्टइंडीज, भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए तीनों मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा।

अफगानिस्तान टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारत आएगी, बीसीसीआई ने किया शेड्यूल का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच अक्सर टी20 मुकाबले खेले जाते हैं, लेकिन जल्द ही अफगानिस्तान और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच टेस्ट और वनडे सीरीज होने वाली है। बीसीसीआई ने भारत-अफगानिस्तान के बीच होने वाली टेस्ट और वनडे सीरीज का ऐलान कर दिया है। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम जून 2026 में 1 टेस्ट और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आएगी। एकमात्र टेस्ट 6 से 10 जून 2026 तक न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा।

तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 14 जून को धर्मशाला में, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। तीनों वनडे दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक एकमात्र टेस्ट खेला गया है। 2018 में बेंगलुरु में खेले गए इस टेस्ट में भारतीय टीम ने पारी और 262 रन से जीत हासिल की थी। 107 रन की पारी खेलने वाले

शिखर धवन प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे थे। भारत और अफगानिस्तान के बीच 4 वनडे खेले गए हैं। आखिरी वनडे 11 अक्टूबर 2023 को खेला गया था। 4 वनडे मैचों में भारतीय टीम ने 3 में जीत हासिल की है। एक मैच टाई रहा था। अफगानिस्तान टीम का टी20 विश्व कप 2026 में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। पिछले टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल खेलने वाली अफगानिस्तान इस बार सुपर-8 में भी जगह नहीं बना सकी। टीम को जोनाथन ट्रॉट की जगह रिचर्ड पायबस के रूप में नया कोच भी मिल गया है। विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद अफगानिस्तान टीम फिर से कैसे अपने आप को खड़ा करती है, इस पर दुनिया की अन्य टीमों की नजर है। भारत के खिलाफ होने वाले दौरे से निश्चित रूप से टीम को फायदा होगा।

एमएलएस : मेसी के दो गोल की बदौलत इंटर मियामी ने ऑरलैंडो सिटी को 3-2 से हराया

एजेंसी

ऑरलैंडो। फ्लोरिडा डर्बी में स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे और अपनी टीम इंटर मियामी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में 10 खिलाड़ियों तक सिमटी ऑरलैंडो सिटी पर 3-2 से रोमांचक जीत दिलाई। मुकाबला ऑरलैंडो के इंटरएंडको स्टेडियम में खेला गया।

मैच की शुरुआत में ऑरलैंडो सिटी ने आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में मार्को पासालिक और मार्टिन ओहेडा ने छह मिनट के भीतर गोल दागकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने रणनीति में बदलाव किया और फुल-बैक नोआ एलेन की जगह माटेओ सिलवेट्टी को मैदान पर उतारा। यह बदलाव तुरंत असरदार साबित हुआ। मैदान पर आने के चार

मिनट के भीतर सिलवेट्टी ने टेलास्को सेगोविया के पास पर गोल कर टीम को मुकाबले में वापस ला दिया।

इसके बाद सेगोविया ने एक और शानदार मूव तैयार किया और आठ मिनट बाद मेसी को असिस्ट दिया। मेसी ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन शॉट लगाते हुए 2026 सीजन में अपना पहला लीग गोल दागा और स्कोर बराबर कर दिया।

मैच के 85वें मिनट में मेसी ने सेगोविया को पास दिया, जिन्होंने कर्लिंग शॉट के जरिए गोल कर मियामी को बढ़त दिला दी और टीम की वापसी पूरी की। इंजरी टाइम में ऑरलैंडो की मुश्किलें और बढ़ गई जब कॉलिन गुस्के ने मेसी पर फाउल किया और दूसरा येलो कार्ड मिलने के बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इससे ऑरलैंडो सिटी 10 खिलाड़ियों तक सिमट गया। इसके बाद मेसी ने फ्री-किक पर शानदार गोल कर इंटर मियामी की जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने ऑरलैंडो सिटी के खिलाफ सभी प्रतियोगिताओं में अपनी पहली जीत दर्ज की।

एलिसा हीली ने शतक के साथ वनडे क्रिकेट को कहा अलविदा, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 185 रन से हराया

एजेंसी

होबार्ट। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने अपने अंतिम वनडे मुकाबले में 158 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को भारत के खिलाफ 185 रन की बड़ी जीत दिलाई। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 3-0 से जीत ली। बेलरीव ओवल में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 409 रन बनाए, जो घरेलू मैदान पर उसका पहला 400 से अधिक का स्कोर है। हीली के अलावा बेथ मूनी ने 84 गेंदों पर नाबाद 106 रन बनाए। अंत में निकोला कैरी ने 15 गेंदों में नाबाद 34 रन की तेज पारी खेली। भारत की ओर से स्नेह राणा (44 रन) ने सर्वाधिक योगदान दिया, लेकिन टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अलाना किंग ने 4 विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। टॉस जीतकर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले गेंदबाजी चुनी। हीली ने 98 गेंदों में 158 रन की पारी खेलते हुए 79 गेंदों में शतक पूरा किया। यह उनका वनडे करियर का आठवां शतक रहा। उनकी इस पारी के दौरान उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 410 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। स्मृति मंधाना बिना खाता खोले आउट हो गईं। जेमिमा रोड्रिग्स (42 रन) ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। हरलीन देओल (14 रन) रन आउट हुईं और हरमनप्रीत कौर 25 रन बनाकर आउट हो गईं। मध्यक्रम में दीप्ति शर्मा (29 रन) और स्नेह राणा ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन लक्ष्य काफी बड़ा था।

अमेरिका-इज़राइल के हवाई हमलों के बीच ईरान से सुरक्षित निकले पूर्व बार्सिलोना स्टार मुनिर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व बार्सिलोना स्टार मुनिर एल हद्दादी ने पुष्टि की है कि अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों के बीच वह सुरक्षित रूप से देश छोड़कर निकल चुके हैं। मोरक्को के फॉरवर्ड मुनिर एल हद्दादी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्पेनिश में लिखा, 'ईरान में मेरी स्थिति को लेकर आपके संदेशों और चिंता के लिए मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। कल देश को हवाई मार्ग से छोड़ने की योजना थी, लेकिन अंत में हमें विमान से उतार दिया गया और उड़ान नहीं भर सके।' मुनिर एल हद्दादी सितंबर 2025 में स्पेनिश क्लब सीडी लेगानेस से ईरानी क्लब एस्तेग़लाल एफसी से जुड़े थे। उन्होंने बताया कि मौजूदा क्लब ने उनकी सुरक्षित निकासी की व्यवस्था की।

उन्होंने लिखा, 'क्लब ने मुझे

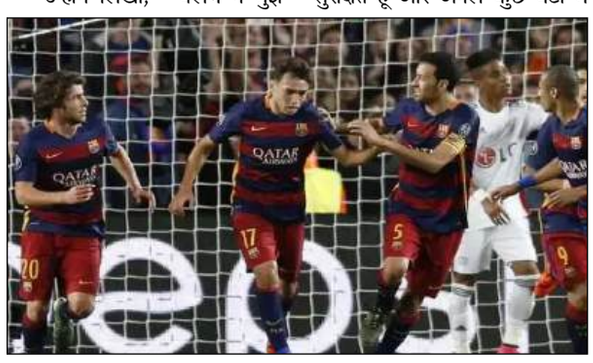

सड़क मार्ग से देश छोड़ने के लिए कार उपलब्ध कराई, जिसकी मदद से मैं बिना किसी समस्या के सीमा पार कर सका। फिलहाल मैं तुर्की में सुरक्षित हूं और अगले कुछ घंटों में स्पेन पहुंच जाऊंगा। आप सभी की दयालुता के लिए धन्यवाद।' ला मासिया अकादमी से निकले मुनिर एल हद्दादी ने एफसी बार्सिलोना के लिए चार सत्र खेले। इस दौरान उन्होंने तीन ला लीगा खिताब और 2015 में यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीता। मध्य-पूर्व क्षेत्र में शनिवार से तनाव चरम पर है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हवाई हमले शुरू किए। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने क्षेत्र के कई ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें यूएई, कतर और सऊदी अरब शामिल हैं।शनिवार रात ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई की अमेरिका और इज़राइल के बड़े हमले के बाद मौत होने की खबर भी सामने आई है, जिससे क्षेत्रीय हालात और अधिक संवेदनशील हो गए हैं।

ब्लैक बेल्ट पाकर 55 ताईक्वांडो खिलाड़ियों के खिले चेहरे

एजेंसी

मुरादाबाद। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में 55 ताईक्वांडो खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट का वितरण हुआ। इस दौरान जिले के ताइक्वांडो खिलाड़ियों को नई तकनीकियां भी समझाई गईं। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि कलर बेल्ट वितरण शिविर में ताइक्वांडो खिलाड़ियों को एडवांस प्रशिक्षण भी दिया गया।

इसमें खिलाड़ियों को नई तकनीक और कौशल के बारे में जानकारी दी गई व आगामी राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन दिखा सकें। इस तरह के शिविर का संचालन जिले में अलग-अलग स्थानों पर आगे भी आयोजित होते रहेंगे। इससे जिले के खिलाड़ियों में जागरूकता बनी रहेगी व सभी खिलाड़ी आगामी राज्य, राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरते रहेंगे। चल रही हैं। इसके बावजूद भी खिलाड़ियों में ताइक्वांडो को लेकर अधिक जोश बना हुआ है। वह खूब

आरएसडी एकेडमी के निदेशक डॉ. विनोद कुमार व डॉ. जी. कुमार ने कहा कि इस समय सभी स्कूलों में परीक्षाएं पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि पढ़ाई के साथ खेल और शारीरिक व्यायाम भी अधिक महत्पूर्ण है।

शाई होप का कबूलनामा, टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने पर दिया बड़ा बयान

एजेंसी

कोलकाता: होप ने स्वीकार किया कि उन्हें पारी की शुरुआत में और आक्रामक बल्लेबाजी करनी चाहिए थी ताकि टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर पाती। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में होप ने बिना किसी सवाल से बचते हुए कहा, 'हां, मैं जिम्मेदारी लेता हूं। मुझे और तेज बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। एक कप्तान के तौर पर आपको शुरुआत में लय सेट करनी होती है, लेकिन आज मैं ऐसा नहीं कर सका।' होप ने 33 गेंदों में 32 रन बनाए, जिसमें 17 डॉट बॉल शामिल थीं। उनकी धीमी पारी के कारण वेस्ट इंडीज़ कम से कम 20 रन पीछे रह गई, जो अंत में भारी साबित हुए। होप ने माना कि टॉस भी अहम रहा। 'ईडन में ओस के कारण लक्ष्य का पीछा करना आसान होता है। इस टूर्नामेंट में मैं शायद ही टॉस जीत पाया हूं, जिससे टीम को मुश्किल हालात में उतरना पड़ा।'होप ने भारत के मैच विनर संजू सैमसन की जमकर तारीफ की। नाबाद 97 रन की पारी खेलकर सैमसन ने भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। होप ने कहा, 'उन्होंने शुरुआत से अंत तक शानदार बल्लेबाजी की। बहुत समझदारी से पारी को आगे बढ़ाया। आज के प्रदर्शन के लिए उन्हें + देना होगा, हालांकि हम चाहते थे कि वह आज ऐसी पारी न खेलते।' हालांकि टूर्नामेंट से बाहर होने का दुख था, लेकिन होप ने टीम के प्रदर्शन में सुधार की बात कही। उन्होंने कहा कि गेंदबाजी खासकर पावरप्ले में पहले से बेहतर रही, जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत है।

टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन पर पाकिस्तान का बड़ा एक्शन, खिलाड़ियों पर लगाया लाखों का जुर्माना

कराची : टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सुपर-8 चरण से बाहर होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाया है। टीम के प्रदर्शन से नाराज बोर्ड ने कथित तौर पर उन सभी खिलाड़ियों पर 5 मिलियन पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया है, जो टूर्नामेंट में उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। इस फैसले से क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है, क्योंकि सूची में टीम के बड़े नाम भी शामिल बताए जा रहे हैं। PCB का यह कदम भविष्य के लिए सख्त संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

किन खिलाड़ियों पर गिरी गाज?

रिपोर्ट्स के अनुसार, जुर्माना झेलने वालों में स्टार बल्लेबाज Babar Azam, तेज गेंदबाज Shaheen Afridi और ऑलराउंडर Shadab Khan जैसे प्रमुख खिलाड़ी भी शामिल हैं। सूत्रों का दावा है कि बोर्ड को लगा कि खिलाड़ियों को पहले काफी नरमी से ट्रीट किया गया, लेकिन अब प्रदर्शन के आधार पर जवाबदेही तय की जाएगी। प्रत्येक खिलाड़ी पर अलग-अलग 5 मिलियन क्मक्र का जुर्माना लगाया गया है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 17 लाख रुपए के बराबर है।

ग्रुप स्टेज से सुपर-8 तक का सफर: पाकिस्तान को इस बार ग्रुप A में रखा गया था, जिसमें नीदरलैंड्स, नामीबिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत जैसी टीमें शामिल थीं। पाकिस्तान ने एसोसिएट टीमों के खिलाफ जीत दर्ज कर सुपर-8 में जगह बनाई, लेकिन उनका प्रदर्शन प्रभावशाली नहीं रहा। सुपर-8 चरण में टीम लय बरकरार रखने में नाकाम रही और अहम

मुकाबलों में दबाव नहीं संभाल सकी। इसी कारण उनका अभियान समय से पहले समाप्त हो गया।

PCB का सख्त संदेश

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट संकेत दिया है कि भविष्य में औसत प्रदर्शन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बोर्ड का मानना है कि राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और बड़े मंच पर बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, PCB ने यह भी तय किया है कि खिलाड़ियों को भविष्य में वित्तीय प्रोत्साहन तभी मिलेगा, जब वे अपने प्रदर्शन से खुद को साबित करेंगे। यानी, अब केवल नाम या अनुभव के आधार पर लाभ नहीं दिया जाएगा।

क्रिकेट जगत में बहस तेज

PCB के इस फैसले ने क्रिकेट समुदाय में बहस छेड़ दी है। कुछ विशेषज्ञ इसे अनुशासनात्मक कदम मान रहे हैं, जो टीम में जवाबदेही बढ़ाएगा। वहीं, कुछ का मानना है कि केवल जुर्माना लगाने से प्रदर्शन में सुधार नहीं होगा, बल्कि टीम मैनेजमेंट और रणनीति पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

फरवरी में जीएसटी राजस्व संग्रह 8.1 फीसदी बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली। देश का सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह फरवरी में सालाना आधार पर 8.1 फीसदी बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। इससे पिछले महीने जनवरी में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा था। बीते वर्ष की समान अवधि में यह 1.69 लाख करोड़ रुपये था।जीएसटी महानिदेशालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि फरवरी महीने में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जीएसटी राजस्व संग्रह में आयात से प्राप्त राजस्व में हुई उच्च वृद्धि का मुख्य योगदान रहा है। आंकड़ों के अनुसार फरवरी के कुल जीएसटी राजस्व संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 37,473 करोड़ रुपये रहा है, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 45,900 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 1,00,236 करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी महीने में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 7.9 फीसदी अधिक है। शुद्ध उपकर राजस्व 5,063 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले साल फरवरी में 13,481 करोड़ रुपये रहा था। फरवरी में 22,595 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो सलाना आधार पर 10.2 फीसदी की वृद्धि है।

यात्री वाहनों की बिक्री में फरवरी में भी जारी रही तेजी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद वाहनों की बिक्री में शुरू हुई दमदार तेजी फरवरी महीने में भी जारी रही। खास बात यह रही कि फरवरी में देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री में मामूली वृद्धि हुई जबकि अन्य कंपनियों की बिक्री में तेज वृद्धि दर्ज की गयी। मारुति सुजुकी ने बताया कि घरेलू बाजार में उसकी कुल बिक्री 1,64,130 इकाई रही। पिछले साल यह आंकड़ा 1,63,501 इकाई था। हालांकि निर्यात में 56.49 प्रतिशत की अच्छी बढ़ोतरी के कारण उसकी कुल बिक्री में 7.32 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गयी है। माह के दौरान कंपनी ने कुल 39,155 वाहनों का निर्यात किया और उसकी कुल बिक्री 2,13,995 इकाई हो गयी। इसमें दूसरी कंपनी (सुजुकी) के बेचे गये 10,710 वाहन भी शामिल हैं। घरेलू बाजार में कंपनी के यात्री वाहनों की बिक्री 1,61,000 इकाई और हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 3,130 इकाई पर रही। यात्री वाहनों में कार, उपयोगी वाहन और वैन शामिल हैं। टाटा समूह की कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल की घरेलू बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 62,329 इकाई रही। कंपनी ने 1,002 वाहनों का निर्यात किया जो सालाना आधार पर 167 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। इस प्रकार उसकी कुल बिक्री 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 63,331 इकाई दर्ज की गयी।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने फरवरी में बेचे 63,331 वाहन

मुंबई। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड की फरवरी 2026 में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिक्री जबरदस्त उछाल के साथ कुल बिक्री 63,331 वाहनों की रही। कंपनी द्वारा यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि फरवरी 2025 में इसने 46,811 वाहन बेचे थे। इस तरह इस बार पिछले वर्ष की फरवरी की तुलना बिक्री में मे 57 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है।

रॉयल एनफील्ड ने फरवरी में 1,00,905 मोटरसाइकिलें बेचीं, 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

चेन्नई। रॉयल एनफील्ड ने इस वर्ष फरवरी माह में 1,00,905 मोटरसाइकिलों की बिक्री की है जो एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 11प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी ने पिछले वर्ष फरवरी में 90,670 मोटरसाइकिलें बेची थीं। इस बार फरवरी की कुल बिक्री में 9657 मोटरसाइकिलों का निर्यात भी शामिल है। मोटरसाइकिल विनिर्माता आइशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बी. गोविन्दराजन ने कहा, 'फरवरी में इस वित्तीय वर्ष में हमने जो सकारात्मक गति देखी है, वह जारी है, जो विभिन्न बाजारों में निरंतर मांग और हमारे बढ़ते वैश्विक समुदाय को दर्शाती है।' चालू वित्त वर्ष के 11 महीना में रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री 11,26,325 रही जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 9,08,879 की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है।

कारोबारियों की बढ़ी चिंता, जूता उद्योग पर संकट; व्यापार में 40 प्रतिशत गिरावट की आशंका

एजेंसी
नई दिल्ली। ईरान और इस्राइल के बीच छिड़े युद्ध ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है बल्कि शहर के व्यापारिक गलियारों में भी चिंता की लहर दौड़ गई है। युद्ध के कारण यूरोपीय देशों को होने वाले चमड़ा (लेदर) और हस्तशिल्प निर्यात के सामने लॉजिस्टिक्स और रूट का गंभीर संकट खड़ा होने की आशंका है। आगरा का जूता उद्योग, जो अपनी गुणवत्ता के लिए दुनिया भर में मशहूर है। अब युद्ध की अनिश्चितता के साए में है। युद्ध के कारण हॉर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर के रास्तों पर जहाजों के लिए जोखिम बढ़ गया है। ऐसे में आगरा के निर्यातकों को अब माल केप ऑफ गुड होप अफ्रीका के नीचे से घूमकर भेजना पड़ेगा। सामान्य रूट की तुलना में अब माल पहुंचने में 30 से 50 दिन अधिक लगेंगे। लंबा रास्ता होने के कारण माल ढुलाई की लागत दोगुनी होने के

आसार हैं।

कारोबार में 40 प्रतिशत गिरावट की आशंका

आगरा से दुनिया भर में सालाना करीब 4,000 करोड़ का फुटवियर निर्यात होता है। इसमें से अकेले इस्राइल और मध्य पूर्व के देशों में 250 से 500 करोड़ का कारोबार होता है। आगरा से बड़े पैमाने पर हाई-एंड लेदर जूते और सेफ्टी शूज का निर्यात होता है, जिनकी यूरोप की सुरक्षा एजेंसियों और औद्योगिक क्षेत्रों में भारी मांग है। इसके अलावा ईरान और इस्राइल में आगरा की पच्चीकारी, पीतल के बर्तन और जरी-जरदोजी के सजावटी सामान की अच्छी खपत है।नेशनल चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स अध्यक्ष संजय गोयल ने बताया कि रूट बाधित होने और युद्ध की स्थिति के कारण इस वित्त वर्ष में कारोबार में 40 प्रतिशत तक की गिरावट आने की आशंका जताई जा रही है। वैश्विक बैंकिंग ट्रांजेक्शन (लेन-देन) पर भी असर पड़ना शुरू हो गया है। ईरान पर संभावित नए प्रतिबंधों और इस्राइल में युद्धकाल की स्थिति के कारण छोटे निर्यातकों के लिए भुगतान की रिकवरी सबसे बड़ी चुनौती बनेगी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से चमड़ा उद्योग में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स की कीमतें बढ़ गई हैं। परिवहन लागत बढ़ने से वैश्विक बाजार में आगरा के उत्पादों की कीमतें बढ़ जाएंगी, जिससे चीन और वियतनाम जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा और कठिन हो जाएगी।

बाजार में बढ़ेगी अस्थिरता

आगरा का फुटवियर उद्योग पहले से ही वैश्विक मंदी की चुनौतियों से जूझ रहा है। ईरान-इस्राइल संघर्ष से मध्य पूर्व का बाजार अस्थिर होगा, जिसका सीधा और नकारात्मक असर एमएसएमई सेक्टर पर पड़ेगा। **-गोपाल गुप्ता, अध्यक्ष, आगरा फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चैंबर**

सीबीआईसी ने पात्र विनिर्माता आयातकों के लिए विलंबित सीमा शुल्क भुगतान सुविधा प्रारंभ की

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने पात्र विनिर्माता आयातकों के लिए विलंबित सीमा शुल्क भुगतान सुविधा की शुरुआत की है। ये सुविधा केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई घोषणा के अनुसार की गई है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सीबीआईसी ने इस संबंध में दिनांक 28 फरवरी, शनिवार को परिपत्र संख्या 08/2026-सीमा शुल्क के जरिए विस्तृत पात्रता शर्तें, आवेदन की प्रक्रिया और परिचालन दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत सीबीआईसी ने पात्र विनिर्माता आयातक (ईएमआई) नामक आयातकों की एक नई श्रेणी को विलंबित सीमा शुल्क भुगतान की सुविधा प्रदान की है।

मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वित्त एवं कारपोरेट कार्य मंत्री द्वारा केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई घोषणा के अनुसरण में इस पहल के तहत पात्र विनिर्माता आयातकों (ईएमआई) को माल की निकासी के समय सीमा शुल्क का भुगतान किए बिना आयातित माल की निकासी की सुविधा भी मिलेगी। इसके तहत लागू शुल्क का भुगतान आयात शुल्क विलंबित भुगतान नियम, 2016 के तहत मासिक आधार पर किया जा सकता है। इससे निर्माताओं को नकदी प्रवाह और कार्यशील पूंजी का बेहतर प्रबंधन करने में सहायता मिलेगी। वित्त मंत्रालय के मुताबिक ये सुविधा 01 अप्रैल, 2026 से उपलब्ध होगी और 31 मार्च, 2028 तक लागू रहेगी। विलंबित भुगतान की सुविधा उन ईएमआई को उपलब्ध होगी, जो सीमा शुल्क, जीएसटी अनुपालन, व्यवसाय, वित्तीय स्थिति और पिछले रिकॉर्ड से संबंधित निर्धारित मानदंडों को पूरा करते हैं।

बीएचईएल ने 52वीं एसआरजीएम नेवल गन गोवा शिपयार्ड के लिए की रवाना

एजेंसी
हरिद्वार। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) हरिद्वार के रक्षा एवं एयरोस्पेस विभाग की निर्मित 52वीं नेवल गन की खेप गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के लिए रवाना किया गया। रविवार को बीएचईएल के निदेशक (वित्त) आरके द्विवेदी ने हरिद्वार इकाई के कार्यपालक निदेशक रंजन कुमार की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर निदेशक (वित्त) द्विवेदी ने कहा कि बीएचईएल की विकसित यह नेवल गन, देश की सामरिक क्षमताओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि बीएचईएल ने ऊर्जा एवं औद्योगिक क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के साथ-साथ, रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी उत्कृष्टता स्थापित की है। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक रंजन कुमार ने बताया कि यह नेवल गन 35 किलोमीटर के दायरे में हवा, पानी और समुद्र में विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों को भेद सकती है। साथ ही लक्ष्य की स्थिति के आधार पर, विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद का चयन करने में भी सक्षम है। इस अवसर पर राजेश कुमार द्विवेदी ने मानव संसाधन विकास केंद्र तथा इसके परिसर में स्थित वेल्डिंग स्कूल भवन में लगाए गए 300 किलोवॉट रूफ टॉप सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि इस पॉवर प्लांट से न केवल विद्युत लागत में बचत होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी और 'हरित भारत' के लक्ष्य को नई गति मिलेगी। विदित हो कि बीएचईएल हरिद्वार में वित्त प्रमुख एवं ऑडिटर्स सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में कंपनी की विभिन्न इकाइयों, कॉर्पोरेट कार्यालय तथा

पावर सेक्टर्स के वित्त प्रमुखों एवं ऑडिटर्स ने भाग लिया । इन अवसरों पर कॉर्पोरेट कार्यालय की कार्यपालक निदेशक एच. मालती एवं केजी विजयलक्ष्मी, बीएचईएल हरिद्वार के महाप्रबंधक के. कृष्णमोहन, संतोष कुमार गुप्ता तथा राहुल मिश्रा सहित अन्य महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी तथा यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे ।

पुद्दुचेरी में शुरू हुआ देश का पहला 'डिजिटल खाद्य मुद्रा' पायलट प्रोजेक्ट

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के आधुनिकीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने पुद्दुचेरी में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम एमजीकेवाई) के तहत केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित 'डिजिटल खाद्य मुद्रा' पायलट प्रोजेक्ट का भव्य उद्घाटन किया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने उद्घाटन के दौरान कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सीबीडीसी का एकीकरण भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एक क्रांतिकारी बदलाव है। हमारा लक्ष्य 'हर दाना, हर रुपया, हर हक' सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा और वितरण प्रक्रिया में अभूतपूर्व पारदर्शिता आएगी। अब तक पुद्दुचेरी में खाद्य सब्सिडी सीधे बैंक खातों में भेजी जाती थी, लेकिन अब इसे सीबीडीसी वॉलेट में स्थानांतरित और अन्य पौष्टिक वस्तुओं पर कर पा रहे हैं।पुद्दुचेरी में सफलता के बाद इस पायलट प्रोजेक्ट का विस्तार जल्द ही चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली समेत 3-4 अन्य राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में किया जाएगा। इसके

किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। हालिया आंकड़ों के अनुसार, मुफ्त अनाज वितरण से परिवारों का भोजन पर होने वाला खर्च 50 प्रतिशत तक कम हो गया है जिससे लोग अब अपनी बचत का उपयोग दूध सब्जी बाद प्राप्त परिणामों के आधार पर इसे पूरे देश में लागू करने पर विचार किया जाएगा। पुद्दुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी और उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे वंचितों के सशक्तिकरण का नया अध्याय बताया।

इजरायल-ईरान युद्ध के बीच सुरक्षित निवेश की बढ़ी मांग, सोना-चांदी 3 प्रतिशत उछले

एजेंसी
मुंबई । मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त सैन्य अभियान के कारण सुरक्षित निवेश की मांग मजबूत हो गई है, जिसके चलते सोमवार को कीमती धातुओं में बड़ी उछाल देखने को मिली। इस दौरान, सोने-चांदी की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर अप्रैल वायदा सोना दिन के कारोबार में 3 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 1,67,915 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं मार्च वायदा चांदी भी 3 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 2,85,978 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जो दिन का उच्चतम स्तर रहा। हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह 10.46 बजे के करीब) एमसीएक्स पर 2 अप्रैल एक्सपायरी वाला गोल्ड 4,612 रुपए यानी 2.85 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,66,716 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था, जबकि 5 मार्च एक्सपायरी वाली चांदी 2.66 प्रतिशत यानी 7,311 रुपए की तेजी के साथ 2,82,309 रुपए प्रति किलोग्राम पर

कारोबार कर रही थी। तेहरान पर इजरायल द्वारा कमान केंद्रों और हवाई सुरक्षा को निशाना बनाकर किए गए हमलों के जवाब में इजरायली क्षेत्र और खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी मिसाइल हमले किए गए, जिससे अनिश्चितता और बढ़ गई।अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव ज्यादा बढ़ गया। व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका से बाजार जोखिम से बचाव की मुद्रा में आ गए और होर्मुज जलडमरूमध्य से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की चिंता बढ़ी, जिससे सुरक्षित निवेश की मांग में तेज उछाल आया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, 'अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच सोने ने पिछले सप्ताह की तेजी को आगे बढ़ाया। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर बनी अनिश्चितता ने भी वैश्विक आर्थिक जोखिम बढ़ाया है। '

डॉलर इंडेक्स 0.24 प्रतिशत बढ़कर 97.85 पर पहुंच गया, जिससे विदेशी मुद्राओं में खरीद करने वाले निवेशकों के लिए डॉलर आधारित सोना महंगा हो गया और पीली धातु की तेजी पर कुछ रोक लगी।

कच्चे तेल की कीमतों में भी 7 प्रतिशत से अधिक की उछाल आई, क्योंकि बाजार को आशंका है कि अमेरिका-ईरान युद्ध से क्षेत्रीय आपूर्ति में बड़ी बाधा आ सकती है। निवेशक अब प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से जारी होने वाले महत्वपूर्ण विनिर्माण पीएमआई आंकड़ों पर नजर रख रहे हैं, जबकि इस सप्ताह बाजार की दिशा अमेरिकी श्रम बाजार के आंकड़ों पर निर्भर करेगी। हाल की तेजी वर्ष 2025 में सोने में 64 प्रतिशत की वृद्धि के बाद आई है। यह उछाल केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीद, विनिमय आधारित निधियों में भारी निवेश और अमेरिका में मौद्रिक नीति में नरमी की उम्मीद से प्रेरित रहा है। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि वर्ष 2026 के अंत तक सोना 6,300 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है, जबकि बैंक ऑफ अमेरिका ने कीमत 6,000 डॉलर प्रति औंस तक जाने की संभावना जताई है।

होली के रंगों से सजे बाजार, ग्राहकों के बीच भारतीय उत्पादों का बोलबाला

एजेंसी
नई दिल्ली। चांदनी चौक से सांसद तथा कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि देश के छोटे व्यापारियों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और घरेलू उद्योगों के लिए भी बड़े आर्थिक अवसर लेकर आता है। उन्होंने कहा कि इस बार बाजारों में भारतीय उत्पादों का बोलबाला है।प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इस वर्ष होली पर देशभर में लगभग 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है।विशेष बात यह है कि इस बार बाजारों में स्वदेशी उत्पादों की भरपूर मांग देखी जा रही है। देश के लगभग सभी शहरों और कस्बों में बाजार पूरी तरह सज चुके हैं और व्यापार में तेजी दिखाई दे रही है। इस बार बाजारों में हर्बल, ऑर्गेनिक और त्वचा के अनुकूल रंगों की मांग लगातार बढ़ रही है। हल्के, केमिकल-फ्री और प्राकृतिक रंग छोटे पैक से लेकर बड़े पाउच तक बड़ी संख्या में बिक रहे हैं। खंडेलवाल ने कहा कि बच्चों और युवाओं के बीच पिचकारियों की भी जबरदस्त मांग है। बाजार में विभिन्न डिज़ाइन की पानी की बंदूकें, पंप वाली पिचकारी और आकर्षक कार्टून कैरेक्टर वाली पिचकारियाँ ग्राहकों को खास तौर पर आकर्षित कर रही हैं।

खंडेलवाल ने कहा कि होली के अवसर पर रंग-बिरंगे टी-शर्ट, स्कार्फ, होली स्पेशल कुर्ते और कैजुअल कपड़े भी बड़ी मात्रा में खरीदे जा रहे हैं। होली थीम के प्रिंट, स्लोगन और रंगीन डिज़ाइन वाले परिधान युवाओं में विशेष रूप से लोकप्रिय हो रहे हैं। खान-पान के क्षेत्र में भी होली का बाजार पूरी तरह गुलज़ार है। देशभर में होली मिलन समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम और होली उत्सवों के कारण न केवल व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

स्टॉक मार्केट में क्लीन मैक्स की कमजोर एंट्री, घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। कॉमर्शियल एंड इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोवाइडर क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 1,053 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर इसकी लिस्टिंग 9.50 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 952.20 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर नौ प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 960 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूटकर 855.10 रुपये के स्तर तक गिर गया। सुबह 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 855.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 197.50 रुपये यानी 18.76 प्रतिशत के नुकसान में थे। क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का 3,086.97 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 225 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल सिर्फ 0.99 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.57 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन महज 0.07 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले 1,200 करोड़ रुपये के 1.14 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 1900 करोड़ रुपये के 1.80 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 59.47 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 37.64 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी फायदे में आ गई। कंपनी को 19.43 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 960.98 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1,425.31 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 1,610.34 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 969.35 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई।

अगले सप्ताह होगी तीन कंपनियों के आईपीओ की लॉन्चिंग, नौ कंपनियों के शेयर होंगे लिस्ट

एजेंसी
नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सामान्य हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह तीन कंपनियां अपने आईपीओ को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर रही हैं। इनमें एक कंपनी मेनबोर्ड सेगमेंट की है, जबकि शेष दो कंपनी एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए दो आईपीओ में भी दो और चार मार्च तक बोली लगाने का मौका रहेगा। जहां तक इस सप्ताह शेयर बाजार में होने वाली लिस्टिंग की बात है, तो नौ कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कामकाज की शुरुआत करने जा रही हैं।इस सप्ताह चार मार्च को सेडेमैक मैकेट्रोनिक्स का 1,087.45 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में छह मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 1,287 रुपये से लेकर 1,352 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 11 शेयर का है। कंपनी के शेयर 11 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इसी तरह पांच मार्च को एल्फिन एग्रो इंडिया लिमिटेड का 25.03 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में नौ मार्च तक बोली लगाई जा सकती है।

आईपीओ में बोली लगाने के लिए 47 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 12 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन छह मार्च को श्रीनिवास प्रधान कंस्ट्रक्शंस का 20.32 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में दस मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 91 रुपये से लेकर 98 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयर 13 मार्च को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह 26 फरवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले स्ट्राइडर्स इंपेक्स के 36.29 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 2 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 71 रुपये से लेकर 72 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है।

एयरटेल का स्पैम मैसेज रोकने के लिए गूगल से करार

एजेंसी
नई दिल्ली। निजी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने गूगल के आरसीएस प्लेटफार्म और स्पैम फिल्टर सुविधाओं के लिए उसके साथ एक करार किया है।कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि एयरटेल के नेटवर्क इंटेलिजेंस और गूगल के रिच कम्युनिकेशन सर्विसेज (आरसीएस) प्लेटफॉर्म तथा स्पैम फिल्टरिंग के संयोजन से उपयोगकर्ता अच्छी गुणवत्ता वाली फोटो और वीडियो का अनुभव कर सकते हैं। वे मैसेज रिएक्शन जैसे इंटरैक्टिव विकल्पों का भी लाभ उठा सकते हैं। साथ ही उन्नत सुरक्षा व्यवस्था के जरिये मोबाइल स्पैम और डिजिटल धोखाधड़ी काफी हद तक कम हो जायेगी। कंपनी ने बताया कि डिजिटल इकोसिस्टम के भीतर एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कमी अब भी मौजूद है। जहां पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क जो मैसेजिंग सुविधा प्रदान करते हैं, वे सुरक्षा मानकों और दूरसंचार स्तर की सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत संचालित होते हैं, वहीं कई अन्य गैर दूरसंचार प्लेटफॉर्म और स्वतंत्र ऐप्स में ये सुरक्षा उपाय नहीं होते। इन माध्यमों का शातिर और संगठित धोखेबाजों द्वारा बढ़ते स्तर पर दुरुपयोग किया जा रहा है और ये वित्तीय धोखाधड़ी तथा अवांछित स्पैम के साधन बन गये हैं। यह साझेदारी उसे कमी को दूर करती है। गूगल के आरसीएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से दूरसंचार समर्थित व्यावसायिक पहचान जांच का उपयोग करके मैसेज भेजने वाले की पहचान की पुष्टि संभव हो सकेगी।

इजरायल-ईरान युद्ध की आग तेज होने से कच्चे तेल की कीमतों में 7 प्रतिशत से अधिक की उछाल

एजेंसी
नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में युद्ध तेज होने के बाद सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 7 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह उछाल अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए सैन्य हमलों के बाद आया। ब्रेंट क्रूड के वायदा भाव बढ़कर 82.37 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए, जो जनवरी 2025 के बाद का उच्चतम स्तर है। ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत 7.60 प्रतिशत बढ़कर 78.41 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड के वायदा भाव 7.19 प्रतिशत बढ़कर 71.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) से होकर गुजरने वाले नौवहन को बंद कर दिया है, जिसके बाद विभिन्न देशों की सरकारें और तेल रिफाइनरियां अपने भंडार का आकलन कर रही हैं। इसी बीच, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन ओपेक ने अगले महीने से तेल उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख सदस्य प्रतिदिन 2 लाख 6 हजार बैरल अतिरिक्त उत्पादन करेंगे।

विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका और इजरायल के हमले एक बड़ा भू-राजनीतिक झटका हैं, जिससे वैश्विक तेल जोखिम प्रीमियम बढ़ा है और सोना-चांदी जैसे सुरक्षित निवेश साधनों की मांग भी बढ़ी है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स में मानदंड, मॉडल विकास और अनुसंधान प्रमुख राजीव शरण ने कहा, 'भारत लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से ईंधन महंगा होगा, महंगाई बढ़ेगी और चालू खाते का घाटा भी

बढ़ सकता है। इससे भारतीय रिजर्व बैंक की मुद्रास्फीति नियंत्रण की नीति प्रभावित हो सकती है और ब्याज दरों में कटौती टल सकती है। '

भारतीय शेयर बाजार पहले ही जोखिम से बचाव की स्थिति में आ चुके हैं। अधिक उतार-चढ़ाव, विदेशी निवेशकों की निकासी और वाहन, वित्त तथा ऊर्जा-आधारित क्षेत्रों पर दबाव की आशंका जताई जा रही है। जब तक तनाव बढ़ने का खतरा बना रहेगा, कीमती धातुओं को समर्थन मिलने की संभावना बनी रहेगी। शरण ने कहा कि संघर्ष से जुड़ा अतिरिक्त मूल्य तब ही कम होगा जब तेहरान में नेतृत्व को लेकर स्पष्टता आएगी, तनाव कम करने के ठोस प्रयास होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग खुले रहने का भरोसा मिलेगा।

रिपोर्टों के अनुसार, यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान जारी रहता है तो ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा सकती है। व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की स्थिति में यह 100 डॉलर प्रति बैरल से भी अधिक हो सकता है।जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की कीमत में हर 1 डॉलर की वृद्धि से भारत का वार्षिक आयात बिल लगभग 2 अरब डॉलर बढ़ जाता है, जिससे व्यापार संतुलन पर दबाव पड़ता है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होर्मुज जलडमरूमध्य से होता है और भारत के 40 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात इसी मार्ग से होता है। निकट भविष्य में बाजार का रुख कंपनियों की आय के बजाय तेल की कीमतों पर अधिक निर्भर रह सकता है। लंबे समय तक तनाव बने रहने से परिवहन और समुद्री बीमा लागत बढ़ सकती है, खाड़ी क्षेत्र के समुद्री मार्ग बाधित हो सकते हैं और व्यापार संतुलन पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

ईरान पर अमेरिका-इजराइल हमला, सुरक्षा परिषद् में पाकिस्तान ने कहा, क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान

एजेंसी

इस्लामाबाद। ईरान पर इजरायल व अमेरिका के संयुक्त हमले को लेकर पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् (यूएनएससी) में कहा है कि इससे क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान होगा और लंबे समय तक इसका असर रह सकता है। सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने 15 सदस्यों वाली काउंसिल को बताया कि मध्य पूर्व की घटनाओं को लेकर हम बेहद चिंतित हैं। इसके साथ ही, पाकिस्तान ने सऊदी अरब, बहरीन, जॉर्डन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर ईरान के हमलों की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान उनके साथ एकजुटता में खड़ा है। बहस की शुरुआत करते हुए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि किसी भी देश की स्वायत्तता के खिलाफ़ ताकत के इस्तेमाल से बचना चाहिए। उन्होंने ईरान के खिलाफ़ यूएस और इज़राइल के बड़े पैमाने पर सैन्य हमलों और इसके जवाब में ईरान की तरफ से बहरीन, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और यूनाइटेड अरब अमीरात पर किए गए हमलों की निंदा की।

खाड़ी देशों की तरफ जाने वाली उड़ानें आज भी रद्द, सैकड़ों यात्री नेपाल हवाईअड्डे पर फंसे

काठमांडू। मध्यपूर्व में बढ़ते तनाव का असर काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (टीआईए) के संचालन पर भी पड़ा है, जिसके कारण सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। खाड़ी क्षेत्र के कई हवाई अड्डों शारजाह, दोहा, दुबई, कुवैत सिटी, अबू धाबी और दमाम में संचालन निलंबित होने के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इसके परिणामस्वरूप काठमांडू से प्रस्थान और आगमन करने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। शनिवार से ही यात्री हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं और रविवार सुबह कई यात्रियों को असमंजस की स्थिति में प्रतीक्षा करते देखा गया। टर्मिनल परिसर में विभिन्न स्थानों पर उड़ान रद्द होने की सूचनाएं चस्पा की गई हैं। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से जारी सूचना के अनुसार अगले आदेश तक कतर एयर, फ्लाई दुबई, एमिरेट्स एयर, कुवैत एयर, एयर अरेबिया सहित नेपाल से खाड़ी देशों में जाने वाले हिमालयन एयरलाइंस और नेपाल एयरलाइंस की उड़ाने भी रद्द की गई है।

नेपाल ने मध्यपूर्व में कूटनीति व संवाद के जरिए शांति स्थापित करने पर जोर दिया

काठमांडू। नेपाल ने मध्यपूर्व में जारी तनाव को कूटनीति और संवाद के माध्यम से सुलझाने के लिए सभी पक्षों से आग्रह किया है।नेपाल के विदेश मंत्रालय ने संयम बरतने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। नेपाल सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम पर निकटता से नजर रखे हुए है। सरकार ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किए जाने के महत्व को दोहराया। नेपाल ने प्रभावित देशों में बड़ी संख्या में कार्यरत नेपाली श्रमिकों की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए उनसे सुरक्षित रहने, आधिकारिक निर्देशों का पालन करने तथा नेपाली दूतावासों के साथ नियमित संपर्क में रहने का आग्रह किया है।

पुतिन ने खामेनेई की हत्या को 'सनक में की गयी' हत्या बताया

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या को 'सनक में की गयी हत्या' करार दिया है। रूसी सरकारी मीडिया एजेंसी तास ने यह जानकारी दी। तास के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति ने श्री खामेनेई की मृत्यु को एक ऐसी हत्या बताया जिसने 'मानवीय नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों' का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि खामेनेई को रूस में एक 'उत्कृष्ट राजनेता' के रूप में याद किया जाएगा। रूस और ईरान लंबे समय से प्रमुख सहयोगी रहे हैं। यूक्रेन के साथ युद्ध के बीच ईरान ने रूस को ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों सहित सैन्य सहायता प्रदान की है और रूस को ड्रोन निर्माण सुविधा बनाने में मदद की है। यह बयान रूस के विदेश मंत्रालय द्वारा कल ईरान पर अमेरिका और इजरायली हमलों की निंदा करने के बाद आया है। इस हमले को मंत्रालय ने 'लापरवाह और बिना उकसावे वाला कृत्य' बताया था।

यूएई ने ईरान को चेताया, 'होश में आएं, पड़ोसियों के साथ जिम्मेदारी निभाएं'

एजेंसी

अबू धाबी। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि वह 'होश में आए' और अपने पड़ोसी देशों के साथ तर्क व जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करे, इससे पहले कि अलगाव और टकराव का दायरा और बढ़ जाए। यूएई के राष्ट्रपति के वरिष्ठ कूटनीतिक सलाहकार अनवर गरगाश ने कहा कि खाड़ी देशों के खिलाफ ईरान का हमला अपने लक्ष्य से चूक गया और इस संवेदनशील समय में तेहरान को और अलग-थलग कर गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'आपकी जंग आपके पड़ोसियों से नहीं है। इस तरह की बढ़ती आक्रामकता से आप उसी नैरेटिव को मजबूत करते हैं जो ईरान को क्षेत्र में अस्थिरता का मुख्य स्रोत और उसकी मिसाइल नीति को स्थायी खतरा मानता है। होश में आइए और अपने पड़ोसियों से जिम्मेदारी और समझदारी से पेश आइए। '

तनाव के बीच यूएई ने दावा किया है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने देश की सीमा में दागी गई ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया। संयुक्त अरब अमीरात रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हमले की शुरुआत से अब तक कुल 137 बैलिस्टिक मिसाइलें और 209 ड्रोन यूएई की ओर दागे गए। इनमें से 132 मिसाइलें नष्ट कर दी गईं, जबकि 5 समुद्र में गिरीं। वहीं 209 ड्रोन में से 195 को इंटरसेप्ट किया गया और 14 ड्रोन देश के विभिन्न हिस्सों और जलक्षेत्र में गिरे, जिससे मामूली नुकसान हुआ। दुबई सरकार मीडिया कार्यालय ने बताया कि वायु रक्षा द्वारा मार गिराए गए ड्रोन का मलबा दुबई में दो मकानों के आंगन में गिरा, जिससे दो लोग घायल हो गए। घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता दे दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अमीरात में सुनाई देने वाली तेज आवाजें इंटरसेप्शन ऑपरेशन का परिणाम थीं। रक्षा मंत्रालय ने इस हमले को राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताया। मंत्रालय ने कहा कि यह एक खतरनाक उकसावे वाली कार्रवाई है, जो क्षेत्र की स्थिरता और लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालती है।

मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से जानकारी लें और अफवाहों से बचें। साथ ही यह भी कहा कि देश की सुरक्षा एजेंसियां उच्च सतर्कता पर हैं और किसी भी खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

शनिवार को भी अनवर ने कहा था कि यूएई ने युद्ध टालने के लिए हरसंभव प्रयास किए और क्षेत्र में इसके खतरों को लेकर आगाह किया।

उन्होंने कहा, 'हमारी प्राथमिकता यूएई है, उसकी स्थिरता, सुरक्षा और यहां रहने वाले सभी लोगों की सलामती।

दुबई में ड्रोन के मलबे के आंगन में गिरने से दो लोग घायल

एजेंसी

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने बताया कि हवाई सुरक्षा द्वारा रोके गए ड्रोनों का मलबा दुबई में दो घरों के आंगन में गिरने से दो लोग घायल हो गए। उन्हें चिकित्सा उपचार दिया गया है। दुबई सरकार के मीडिया कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हवाई सुरक्षा द्वारा रोके गए ड्रोनों का मलबा दुबई में दो घरों के आंगन में गिरा, जिससे दो लोग घायल हो गए। घायलों को आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान की गई है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि पूरे अमीरात में सुनाई देने वाली आवाजें सफल अवरोधन अभियानों का परिणाम थीं।' इससे पहले दिन में, संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि ईरानी हमले की शुरुआत के बाद से वायु सेना और वायु रक्षा बलों ने देश की सीमाओं की ओर दागी गई 137 बैलिस्टिक मिसाइलों और 209 ड्रोनों को सफलतापूर्वक रोककर नष्ट कर दिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि हमले की शुरुआत से अब तक ईरान की ओर से दागी गई 137 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता चला है, जिनमें से 132 को नष्ट कर दिया गया, जबकि 5 समुद्र में गिर गईं। इसके अतिरिक्त, ईरान के 209 ड्रोन का पता चला, जिनमें से 195 को रोक दिया गया, जबकि 14 ड्रोन देश की सीमा और जलक्षेत्र में गिरे, जिससे कुछ नुकसान हुआ। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मिसाइलों और ड्रोनों को प्रभावी ढंग से रोकने के परिणामस्वरूप, देश के विभिन्न क्षेत्रों में कुछ मलबे गिरे, जिससे कई नागरिक संपत्तियों को मामूली नुकसान हुआ।

इजराइल का आरोप- ईरान नागरिक इलाकों को बना रहा निशाना, 'यह युद्ध अपराध'

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल ने ईरान पर बैलिस्टिक मिसाइल हमलों में जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिर रही हैं, जिसे इजराइल ने 'युद्ध अपराध' करार दिया।

इजराइल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओरेन मार्मोरस्टीन ने कहा कि हमले के स्पष्ट संकेत बताते हैं कि लक्ष्य कोई सैन्य प्रतिष्ठान नहीं, बल्कि नागरिक इलाका था। उन्होंने दावा किया कि हमले में बच्चे, बुजुर्ग और विदेशी नागरिक प्रभावित हुए हैं। प्रवक्ता के अनुसार जिस इमारत के पास वह मौजूद थे, वहां एक फिलीपीन मूल की महिला की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए। उन्होंने कहा कि इस तरह के हमले केवल इजराइल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि क्षेत्र के अन्य देशों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

'हमारा लक्ष्य ईरानी जनता नहीं'

मॉर्मरस्टीन ने कहा कि इजराइल की सैन्य कार्रवाई केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बना रही है, जबकि ईरान नागरिक क्षेत्रों पर हमले कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजराइल का विवाद ईरानी जनता से नहीं, बल्कि तेहरान के शासक तंत्र से है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि नागरिकों को निशाना बनाने की घटनाओं को रोका जाए और क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर अंकुश लगाया जाए।

बढ़ता क्षेत्रीय तनाव

मध्य पूर्व में हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। ईरान पहले ही कह चुका है कि उसकी कार्रवाई आत्मरक्षा के अधिकार के तहत है, जबकि इजराइल नागरिकों पर हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बता रहा है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस ठिकानों पर हमले, दो पुलिसकर्मी समेत आठ लोग घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर शहर में तीन पुलिस ठिकानों पर अज्ञात हमलावरों के हमले में दो पुलिसकर्मी और छह लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया समूहों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक मट्टानी व बधबर पुलिस स्टेशनों और पास के सर्रा खावरा पुलिस चेकपोस्ट पर शनिवार को हमला हुआ। हालांकि, पुलिस ने हमलों का जवाब दिया और उनका मुकाबला किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, मट्टानी पुलिस स्टेशन पर दो तरफ से हमला हुआ। मेरा मशोखेल रोड से बधबर पुलिस स्टेशन के अंदर एक हैंड ग्रेनेड फेंका गया, जिसमें एक पुलिस वाला घायल हो गया। '

सर्रा खावरा पुलिस चेकपोस्ट पर तीसरे हमले में एक पुलिसवाला और छह लोग घायल हो गए। हमलावरों ने पुलिस ठिकानों पर हमलों में हैंड ग्रेनेड और आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया।

सद्दार डिवीजन के सुपरिंटेंडेंट अरशद खान ने बताया कि हमलावरों ने हमलों में मॉडर्न गैजेट्स का इस्तेमाल किया, जिसमें इन्फ्रारेड कैमरे भी शामिल हैं, जिन्हें आमतौर पर नाइट विजन कहा जाता है। हमले के बाद हमलावर घटनास्थल से भाग गए। उन्होंने बताया कि हमलावरों को गिरफ्तार करने के लिए एक सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। इससे पहले मंगलवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में अज्ञात हमलावरों ने एक पुलिस गाड़ी को निशाना बनाया था, जिसमें छह पुलिसवालों समेत सात लोग मारे गए।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि कोर्ट में पेशी के लिए दो लोगों को ले जा रही एक गाड़ी को निशाना बनाया गया, जिसमें डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, एक इंस्पेक्टर और चार कांस्टेबल मारे गए। अधिकारी ने बताया कि हमले में दो लोगों में से एक की भी मौत हो गई। हमलावरों ने हमले के बाद गाड़ी में आग भी लगा दी।

सोमवार को, लोकल मीडिया ने इलाके के पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के करक के बदरखाइल इलाके में घायल लोगों को ले जा रही एक एम्बुलेंस पर हमला होने से कम से कम तीन फेडरल कांस्टेबुलरी के जवान मारे गए।

डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर ने जियो न्यूज को बताया कि सोमवार को दरगाह शहीदान इलाके में एक चेकपोस्ट पर क्वाडकॉप्टर हमले में ये लोग घायल हो गए थे और उन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था, तभी हमला हुआ। रिपोर्ट में बताया गया है कि क्वाडकॉप्टर हमले में कम से कम पांच जवान घायल हुए, जबकि एम्बुलेंस हमले में दो बचाव कर्मी भी घायल हुए।

मिडिल ईस्ट तनाव: विभिन्न भारतीय दूतावासों की एडवाइजरी, अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह

एजेंसी

बेरूत। मिडिल ईस्ट में जारी तनावपूर्ण हालात के मद्देनजर लेबनान में स्थित भारतीय दूतावास, बेरूत ने वहां रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने, सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा व आपातकालीन निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। जारी एडवाइजरी में दूतावास ने कहा, 'क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए लेबनान में रह रहे सभी भारतीय नागरिक अनावश्यक यात्रा से बचें, सतर्क रहें और स्थानीय स्तर पर जारी सुरक्षा एवं आपातकालीन दिशानिर्देशों का पालन करें।' दूतावास ने आपात स्थिति में भारतीय नागरिकों को मोबाइल नंबर +96176860128 या ईमेल के जरिए संपर्क करने को कहा है। इससे पहले भारत सरकार ने ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि सभी पक्ष संयम बरतें, हालात को और न बिगाड़ें और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय मिशन वहां रह रहे भारतीयों के संपर्क में हैं और उन्हें सतर्क रहने तथा स्थानीय सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। भारतीय दूतावास, तेहरान ने ईरान में रह रहे भारतीयों को अत्यधिक सतर्क रहने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और संभव हो तो घरों के भीतर रहने की सलाह दी है।

भारतीय दूतावास, दोहा ने कतर में भारतीयों से स्थानीय प्रशासन और दूतावास द्वारा जारी सूचनाओं का पालन करने को कहा है।

भारतीय दूतावास, अबू धाबी और दुबई स्थित वाणिज्य दूतावास ने भी संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सलाह जारी की है।

कतर में जारी एडवाइजरी में विशेष रूप से कहा गया है कि लोग सैन्य स्थलों के आसपास न जाएं और सार्वजनिक सुरक्षा के हित में अधिकतम समय तक घरों के भीतर ही रहें। भारत ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्रीय तनाव को कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाया जाना चाहिए। साथ ही सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किए जाने पर भी बल दिया गया है।

ओमान तट के पास तेल टैंकर पर ईरान का हमला, बचाए गए 15 भारतीय नागरिक

एजेंसी

मस्कट। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर स्काईलाइट पर हमला किया है। यह हमला उस वक्त किया गया, जब वह ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहा था। इस दौरान जहाज पर सभी 20 क्रू मेंबर्स को निकाल लिया गया, जिनमें 15 भारतीय नागरिक और 5 ईरानी नागरिक शामिल थे। इसके अलावा क्रू के चार मेंबर्स को चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए ले जाया गया है।

ओमान न्यूज एजेंसी (ओएनए) ने मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर (एमएससी) के हवाले से बताया कि ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रिपब्लिक ऑफ पलाऊ का झंडा लहरा रहे एक ऑयल टैंकर को मुसंदम गवर्नरेट में खासाब पोर्ट से निशाना बनाया गया। एजेंसी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी 20 क्रू मेंबर्स को निकाल लिया गया, जिनमें 15 भारतीय नागरिक और 5 ईरानी नागरिक शामिल थे। इसके अलावा क्रू के चार सदस्यों को अलग-अलग चोटें आई हैं, जिन्हें जरूरी मेडिकल इलाज के लिए ले जाया गया है। एमएससी ने पुष्टि कि अलग-अलग सैन्य, सुरक्षा और नागरिक प्राधिकरण के बीच समन्वय बनाकर बचाव कार्य को अंजाम दिया गया। होर्मुज गलियारा दुनिया का सबसे जरूरी तेल एक्सपोर्ट रूट है, जो सऊदी अरब, ईरान, इराक और यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) जैसे खाड़ी के सबसे बड़े तेल प्रोड्यूसर को ओमान की खाड़ी और अरब सागर के जरिए ग्लोबल मार्केट से जोड़ता है। होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक स्ट्रेट है। यह फारस की खाड़ी से खुले समुद्र तक जाने का एकमात्र समुद्री रास्ता देता है और दुनिया के सबसे सामरिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है।

ट्रंप ने ईरान को दी एक चेतावनी, बोले- ऐसी ताकत से हमला करेंगे जो पहले कभी नहीं देखी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को किसी भी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि वह उस देश पर ऐसी ताकत से हमला करेंगे जो पहले कभी नहीं देखी गई। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर ईरान को लेकर नई चेतावनी जारी की है। बता दें, ईरान लगातार हमले जारी रखे हुए है। ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हमले में मौत के बाद ईरानी अधिकारी ने मुंहतोड़ जवाब देने और अमेरिका और इजरायल से बदला लेने की बात कही है। ट्रूथ सोशल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पोस्ट में लिखा, 'ईरान ने अभी कहा है कि वे आज बहुत जोरदार हमला करेंगे, जितना पहले कभी नहीं हुआ। लेकिन बेहतर होगा कि वे ऐसा न करें, क्योंकि अगर वे ऐसा करते हैं, तो हम उन पर ऐसी ताकत से

हमला करेंगे जो पहले कभी नहीं देखी गई! ' ईरान के इस्लामिक रिपब्लिक गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने सरकारी टेलीविजन पर सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत की पुष्टि के बाद, उनके हत्यारों को सजा देने की कसम खाई है और वादा किया कि जवाब अमेरिका और इजरायल के खिलाफ इतिहास का सबसे भयानक हमला होगा।

अपने आधिकारिक टेलीग्राम पेज पर पोस्ट किए गए एक बयान में आईआरजीसी ने कहा, 'उम्माह के इमाम के हत्यारों को कड़ी, पक्की और अफसोसनाक सजा देने के लिए ईरानी राष्ट्र का बदला लेने का हाथ उन्हें जाने नहीं देगा। आईआरजीसी, आर्म्ड फोर्सेज और बासिज फोर्सेज अपने नेता की विरासत को बचाने, अंदरूनी और बाहरी साजिशों के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने और इस्लामिक देश के खिलाफ हमलावरों को सबक सिखाने वाली सजा देने में उनके रास्ते पर मजबूती से चलते रहेंगे। '

आईआरजीसी ने घोषणा की कि उसने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 का पांचवां राउंड शुरू किया है, जिसमें हिंद महासागर समेत पूरे इलाके में गोला-बारूद ले जा रहे और ईंधन भरने वाले टैंकरों पर अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने अमेरिका और इजरायल के नेताओं को गंदे अपराधी करार दिया और कहा कि ईरान पर उनके लगातार हमलों के लिए 'बहुत बुरी सजा' मिलेगी। गालिबफ की यह बात एक टेलीविजन संबोधन में आई। शनिवार को हमले शुरू होने के बाद से कैमरे पर दिखने वाले वह सबसे ऊंचे पद के अधिकारी हैं।

ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता बने अयातुल्लाह अलीरेजा अराफी

एजेंसी

तेहरान। ईरान के लंबे समय तक सर्वोच्च नेता रहे अली खामेनेई की अमेरिका-इजरायल के हवाई हमले में मौत के कुछ घंटों बाद ईरान ने अयातुल्लाह अलीरेजा अराफी को देश का अंतरिम सर्वोच्च नेता नियुक्त कर दिया है। ईरान सरकार ने बताया कि तेहरान स्थित उनके आवासीय परिसर पर हुए हमले में खामेनेई की जान गई। वह साल 1989 से देश के सर्वोच्च नेता थे।

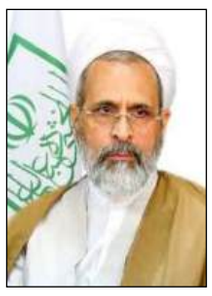

इससे पहले 1979 की इस्लामी क्रांति के नेता रूहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद उन्होंने यह पद संभाला था। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, संकट काल में देश का कामकाज एक तीन सदस्यीय परिषद देखेगी। इस परिषद में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, मुख्य न्यायाधीश ग़ुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई और गार्जियन काउंसिल का एक धर्मविद शामिल होगा। ईरान के संविधान के अनुसार, जब तक नया स्थायी सर्वोच्च नेता नहीं चुना जाता, तब तक यही परिषद नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाएगी। नए सर्वोच्च नेता का अंतिम फैसला विशेषज्ञों की सभा करेगी। यह 88 सदस्यों का धार्मिक निकाय है, जिसके पास देश की राजनीतिक व्यवस्था, सेना और अहम संस्थानों पर अंतिम अधिकार होता है। बता दें कि अयातुल्लाह अलीरेजा अराफी का जन्म 1959 में ईरान के मेयबोद शहर में हुआ था। वह गार्जियन काउंसिल के सदस्य भी हैं, जो कानूनों की जांच और चुनावों की निगरानी करता है। साथ ही, 2008 से 2018 तक अल-मुस्तफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रमुख भी रहे। 2011 से सांस्कृतिक क्रांति की सर्वोच्च परिषद के स्थायी सदस्य हैं। मौजूदा तनावपूर्ण हालात के बीच उनकी नियुक्ति को ईरान की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

ईरान पर इस नये हमले के लिए 'इजरायल एवं अमेरिका को होगा पछतावा: ईरानी सेना

एजेंसी

तेहरान। ईरानी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ और खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने अमेरिका और इजरायल को चेतावनी दी है कि वे ईरान के खिलाफ इस नयी आक्रामकता पर 'पछताएंगे'। जारी एक संयुक्त बयान में इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई की शहादत पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा गया, 'हम अपने नेक राष्ट्र की ताकत, दृढ़ता और समर्थन के साथ देश के दुश्मनों, विशेष रूप से अपराधी अमेरिका और दुष्ट ज़ायोनी शासन को पछताने पर मजबूर कर देंगे।'

इसमें कहा गया, 'दुनिया के स्वतंत्र लोगों के नेता और गुरु (श्री खामनेई) द्वारा हमारे लिए छोड़ी गई मूल्यवान विरासत, बहादुर और वीर ईरानी राष्ट्र तथा सशस्त्र बलों का मार्गदर्शक बल है। ' बयान के अनुसार, 'हम अपने खून की आखिरी बूंद तक और दुश्मनों के आत्मसमर्पण तक उस बुद्धिमान और प्रभावशाली नेता के मार्ग पर चलते रहेंगे।

' उल्लेखनीय है कि शनिवार को तेहरान में श्री खामनेई के आवास पर इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए हमले में वह मारे गए थे। उसी हमले में उनके परिवार के कुछ सदस्य भी मारे गये ईरान ने इस्लामी क्रांति के नेता की शहादत पर 40 दिनों के सार्वजनिक शोक की घोषणा की है।

अमेरिका-इजराइल हमले में खामेनेई की मौत से संकट गहराया, दुनिया भर में प्रतिक्रिया

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव। अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हमले में ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्लाह खामेनेई की मौत से पूरी दुनिया में हलचल मच गई है। हमले में खामेनेई के साथ ईरान के रक्षा मंत्री और रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख की मौत दुनिया भर में मिश्रित प्रतिक्रिया हुई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खामेनेई को महान नेता बताते हुए कहा कि खामेनेई की हत्या करने वालों ने मानवीय नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन किया है। चीन ने इस कृत्य को नामंजूर बताया। इस घटनाक्रम के बीच अयातुल्ला अलीरेजा को ईरान का अंतरिम सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया है। हमले के दूसरे दिन भी दोनों पक्षों के बीच तनाव कम होता नहीं दिख रहा। ईरान की पलटवार की धमकी पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐसा नहीं करने की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ऐसा किया गया तो ऐसा हमला किया जाएगा जो पहले कभी नहीं देखा गया। अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। रविवार सुबह ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने कहा कि इस हमले में खामेनेई की शहादत हो गई। हमले में खामेनेई की बेटी, पोता, बहू और दामाद भी मारे गए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने हमले में मारे गए ईरान के सैन्य अधिकारियों की पहचान उजागर की है। इनमें सर्वोच्च सैन्य अधिकारी अली शमखानी और आईआरजीसी के कमांडर मोहम्मद पाकपुर प्रमुख हैं। आईडीएफ ने कहा कि हमले में ईरान के मिलिट्री इमरजेंसी हेडक्वार्टर में इंटेलिजेंस के चीफ सलाह असदी और प्रमुख सैन्य अफसर मोहम्मद शिराजी की भी मौत हो गई है। खामेनेई की मौत पर 40 दिनों का राजकीय शोक और सात दिनों का सरकारी अवकाश घोषित किया गया है। 1979 में इस्लामी क्रांति के बाद ईरान के पहले सर्वोच्च नेता बने आयतुल्लाह खुमैनी के साल 1989 में निधन के बाद अयातुल्लाह अली खामेनेई को देश का दूसरा सर्वोच्च नेता चुना गया। 28 फरवरी, 2026 को अपनी मौत तक साढ़े 36 साल तक उन्होंने इस पद को संभाला।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई तब तक चलेगी जब तक ईरान के लोग आजाद नहीं हो जाते। इस बीच इजराइल का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है।

ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव और और संयुक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले से अवगत कराया है। अराघची ने कहा कि इस हमले के जवाब में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान यूनाइटेड नेशंस के चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत सेल्फ-डिफेंस के अपने अंदरूनी और कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर रहा है।

इजराइल-अमेरिकी हमले में अपने सर्वोच्च नेता की मौत के बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि हमें बदला लेने का पूरा अधिकार है। यह मुसलमानों के खिलाफ युद्ध की घोषणा है। खामेनेई की हत्या इस्लामी देशों के लिए परीक्षा की घड़ी है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि ईरान इस्लामिक रिपब्लिक के इतिहास का सबसे खतरनाक हमला शुरू करने जा रहा है।

ईरान की बदले की धमकी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा-ईरान ने कहा है कि वे आज बहुत जोरदार हमला करेंगे, इतना जोरदार जितना उन्होंने पहले कभी नहीं किया लेकिन बेहतर होगा कि वे ऐसा न करें क्योंकि अगर वे ऐसा करते हैं तो हम उन पर ऐसा जोरदार हमला करेंगे जो पहले कभी नहीं देखा गया।

page 1 and 8 mar 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/3/2026 12:54 AM Page 2

प्लांट नर्सरी व्यापार

नर्सरी के व्यापार को कैसे शुरू करें

आज के समय में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम के द्वार लोगों को जिस तरह से पेड़ों और स्वास्थ्य वायु के महत्व के लिए जागरूक किया जा रहा है, उससे आज की पीढ़ी के लोग भी हरे पेड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित हो रहे है. आज घर में बन रहे छोटे से बगीचे और जहां संभव हो सके, छोटे-छोटे पौधो को संख्या में वृद्धि देखी जा सकती है. अधिकतर घर और काम करने की जगह में भी आज पेड़ पौधो को संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है. एक रिसर्च के अनुसार काम करने की जगह पर पेड़ पौधो की अधिकता से वहां काम करने वाले लोग अच्छा महसूस करते है. इन सब कारणों को देखते हुए हम नर्सरी बिजनेस की आवश्यकता को समझ सकते है.

आज का युग फैशन का युग है हर कोई अच्छा दिखना और रहना चाहता है. और ऐसा होना भी चाहिए, कोई पैसा कमाता क्यों है ? ताकि वह अच्छे से जीवन यापन कर सके, अपने शौक पूरे कर सके, अच्छा पहन सके, अच्छा खा सके, और अपनी हर ख्वाइश पूरी कर सके. हर किसी को एक खूबसूरत माहौल में जीवन बिताना अच्छा लगता है, और अपने आस-पास की खूबसूरती बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है, अपने आस-पास सुंदर पेड़ लगाना, अच्छी खुशबू और फूलों के रंग बिरंगे रंगो से घिरे रहना. आज-कल कई ऐसे तरह के पौधे आते है, जो आपके घर की शोभा भी बढ़ाते है. मनुष्य की इसी मांग से आज के समय में नर्सरी का व्यापार पहचान में आया, जिसे कई लोगों ने शुरू कर अच्छा खासा मुनाफा भी कमाया है.

नर्सरी उपजाऊ जमीन का एक छोटा सा हिस्सा होता है, जहां बीज या अन्य साधनों के माध्यम से पेड़ो को तैयार किया जाता है, और इन तैयार पेड़ो को किचन, बगीचे या अन्य व्यापारिक उद्देश्य से बाजार में बेचा जाता है. यहाँ अच्छी गुणवत्ता के बीजों से पेड़ों को तैयार किया जाता है, और तब तक उनका ध्यान रखा जाता है, जब तक की वे घरों में खेतों में लगाने लायक ना हो जाए. नर्सरी में कई तरह के पेड़ों जैसे सजावट के पेड़, फलों के पेड़, फूल के पेड़ आदि को तैयार किया जाता है और बेचा जाता है.

प्लांट नर्सरी व्यापार के उद्देश्य

इस व्यापार का उद्देश्य खेतों, घरों और अन्य उद्देश्य के लिए अच्छी किस्म के पौधे या बीज उपलब्ध करवाना है, ताकि अच्छे पेड़ और फसल तैयार हो सकें. इसके अलावा किसी भी अन्य व्यापार की तरह इसका एक उद्देश्य बाजार में पेड़ बेचकर लाभ कमाना भी है.

नर्सरी के व्यापार में लगने वाली आवश्यक चीजें

हर व्यापार में आपको कुछ चीजों की जरूरत होती है, ताकि आप अपने व्यापार को सुचारु रूप से चला सके. इस व्यापार में लगने वाली आवश्यक चीजें निम्न है.

जगह - किसी भी व्यापार के लिए जगह सबसे महत्वपूर्ण चीज है, जहां आप अपने काम के संबंधित प्रक्रिया पूर्ण करते है. नर्सरी के व्यापार में भी आपको पौधे को लगाने और उन्हे तैयार करने के लिए जगह की आवश्यकता होती है, इसके अलावा यदि आप पौधे को गमले मे लगाते है, तब भी उन गमलों को रखने के लिए आपको जगह की आवश्यकता होगी. परंतु इसके लिए आपको अलग से जगह का प्रबंध करने की बिलकुल आवश्यकता नहीं है, आप चाहें तो छोटे स्तर पर अपने घर के आँगन में भी इसे शुरू कर सकते है.

मिट्टी - पौधे को लगाने के लिए मिट्टी महत्वपूर्ण चीज है, इसके बिना यह व्यापार संभव नहीं है. और अगर आपको बागबानी की जानकारी है, तो आपको मालूम होगा, कि केवल प्लेन मिट्टी में पौधे को लगाने से वे ठीक तरह से नहीं पनप पाते, इसलिए इनके अच्छे से पोषण के लिए आपको मिट्टी में रेत, खाद आदि अन्य चीजें मिलाकर उसे तैयार करना पड़ता है.

रसायनिक और जैविक खाद - आपको अपने पौधे और बीजों की रक्षा विभिन्न बीमारियों करना आवश्यक है, इसलिए इस व्यापार में आपको विभिन्न कीटनाशक, जीवनाशक और अन्य रसायनों की जरूरत पड़ेगी. इसके अलावा अपने पौधो को उचित पोषण देकर उन्हे तैयार करने के लिए आपको उचित मात्रा में रासायनिक और जैविक खाद की भी आवश्यकता पड़ेगी.

आवश्यक मशीन और उपकरण - इस व्यापार में आपको कुछ जरूरी उपकरणों की भी आवश्यकता होती है, जो आपका व्यापार चलाने के लिए आवश्यक होते है और आपके काम को सरल बनाते है. इस व्यापार में आपको पौधे को पानी देना, उनकी कटाई करना, उन्हे ट्रांसपोर्ट करना आदि रोजाना करना होता है, तो इन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बाजार में कई तरह के स्वचालित उपकरण मौजूद है, जिन्हें आप अपने काम को आसान बनाने के लिए खरीद सकते है. परंतु इन उपकरणों की खरीददारी और इनका प्रयोग पूर्ण रूप से आपके उद्योग के बजट पर निर्भर करता है.

काम करने वाले मज़दूरों की आवश्यकता - इस व्यापार में आपको कई काम जैसे मिट्टी को तैयार करना, पौधे को लगाना, उनकी कटाई करना, कीटनाशक का छिड़काव करना आदि साथ में करने होते है. इसलिए यह सब अकेले संभव नहीं है इसके लिए आपको अपनी सहायता के लिए अन्य व्यक्ति की आवश्यकता होगी, जिनका चयन आप अपने हिसाब से कर सकते है.

नर्सरी में लगाए जाने वालें पौधे

अपने बगीचे में विभिन्न तरह के फूल और पौधों को बीज की सहायता से तैयार करने में बहुत ही मेहनत और समय लगता है. परंतु एक सत्य यह भी है कि एक पौधा बहुत ही कम रख-रखाव, देख-रेख और पैसों से बड़ा हो जाता है. आप इस व्यापार को किसी भी जगह शुरू कर सकते है और अधिकतर व्यक्तियों के द्वारा इसे खरीदे जाने के कारण यह व्यापार मांग में भी बना रहता है और आपको लाभ देता है. प्लांट नर्सरी बिज़नस को तीन प्रकार में विभाजित किया गया है जो इस प्रकार है-

स्ट्रेच प्लांट नर्सरी - स्ट्रेच प्लांट नर्सरी वह नर्सरी है, जिसमें किसी व्यक्ति विशेष को उसकी कमाई के लिए पेड़ बेचे जाते है. इस नर्सरी में वह पौधे बेचे जाते है, जो समान्यत: घरों या ऑफिस के अंदर या बाहर रखे जाते है. यह नर्सरी एक सीमित एरिया में लगाई जाती है और इसमें समान्यत: किसी बड़ी नर्सरी से पौधे खरीदकर पुन: ग्राहक को बेचे जाते है.

व्यापारिक नर्सरी - समान्यत: इस प्रकार कि नर्सरी के लिए आपको बहुत बड़ा निवेश करना होता है. इस प्रकार की नर्सरी में बहुत अधिक संख्या में और बड़े स्तर पर पेड़ तैयार किए जाते है, और यहां तैयार पौधों और बीजों को किसानों को खेती के उद्देश्य के लिए बेचा जाता है. इसके अलावा इस नर्सरी के द्वारा विभिन्न सरकारी प्रोजेक्ट में ट्री प्लांटेशन भी किया जाता है और यही से विभिन्न छोटी नर्सरी में तैयार पौधे भी सप्लाइ किए जाते है.

लैंडस्केप प्लांट नर्सरी - इस प्रकार की नर्सरी में ग्राहको को बागबानी की सेवा उपलब्ध कराई जाती है. यह नर्सरी आपके घरों में उपलब्ध बगीचे में बागबानी की ज़िम्मेदारी लेती है और ग्राहक की पसंद के हिसाब से पौधे तैयार करती है.

आवश्यक योग्यता -

अगर आप अपने व्यापार में सफलता चाहते है, तो आपको उसके संबंध में कुछ सामान्य चीजों का ज्ञान होना आवश्यक है. इसी प्रकार से इस व्यापार में भी आपमें निम्न योग्यता होना आवश्यक है.

इस व्यापार के लिए आपको विभिन्न पौधों के संबंध में पूर्व ज्ञान आवश्यक होता है, ताकि आप उन्हे लगाकर उनकी उचित देखभाल कर पाये.

बहुत सी प्रजाति के पौधों को अलग तरह की सिंचाई, तापमान और देखरेख की जरूरत होती है, इसलिए आपके लिए आवश्यक है, कि आप इस व्यापार को शुरू करने से पहले इसका उचित ज्ञान ले ले.

इसके अलावा अगर आप यह व्यापार शुरू करना चाहते है, तो आपके लिए यह आवश्यक है कि आप इसके लिए आवश्यक विभिन्न उपकरण खरीदने में समर्थ हो, ताकि इसके लिए सिंचाई, निंदाई, कटाई और तापमान नियंत्रण जैसी चीजें संभव हो सके.

इसके अलावा आपको पेड़ों में होने वाली विभिन्न बीमारियों और उसमें प्रयोग होने वाले कीटनाशकों के बारे में भी जानकारी होना आवश्यक है.

इसके अलावा व्यापार को चलाने के लिए आप मे विभिन्न मार्केटिंग और प्रबंधन योग्यता का होना भी आवश्यक है. क्योकि इसके न होने पर आपके द्वारा व्यापार में निवेश किया पैसा व्यर्थ होगा.

कोई भी व्यापार तभी सफल होता है, जब आपके पास उसके लिए पर्याप्त ग्राहक उपलब्ध हो. अगर आपके पास आपके पौधों को उचित दाम में खरीदने वाले ग्राहक ना हो, तो आपका व्यापार और उसमें किया गया निवेश व्यर्थ होता है. इस व्यापार के लिए आप मार्केटिंग के निम्न तरीके अपना सकते है, ताकि आप अपना सामान बेचकर उचित लाभ कमा सके.

सर्वप्रथम आपको अपने आस पास की जगह का निरीक्षण करके यह देखना होगा, कि आपके व्यापार के लिए आपकी जगह में क्या संभावनाएं है. आपको यह देखना होगा कि आपकी जगह में कितने घर और ऑफिस है, जहां आप अपनी सेवा दे सकते है, जहां आप अपने पौधे बेच सकते है.

अपने व्यापार के प्रमोशन के लिए आप विभिन्न पार्टी, शादी समारोह में अपने यहाँ तैयार पौधों के गमलों द्वारा सजावट कर सकते है, जिससे लोगों को आपके व्यापार के बारे में पता चलेगा और आपके ग्राहक बढ़ेंगे.

विभिन्न किसानों को अपने ग्राहक बनाने के लिए आप कुछ गाँवो में जागरूकता सेमिनार आयोजित कर सकते है जिसमें आप उन्हे जैविक खाद बनाने उसके प्रयोग, विभिन्न बीजों कि जानकारी देने के साथ ही अपने व्यापार का प्रमोशन भी कर सकते है.

आप अपने व्यापार में प्रयोग होने वाले सामान जैसे मिट्टी, खाद और अन्य रसायन बाजार में उपलब्ध अन्य सप्लायर के मुक़ाबले कम दामों में देकर भी अपने व्यापार का प्रमोशन कर सकते है.

अपने व्यापार के प्रमोशन के लिए आप किसी फूलों की दूकान वाले से भी संपर्क कर सकते है.

(Source: businessideashinस्रद्बकृषि एवं फार्मिंग)

पौधों को उगाकर नर्सरी व्यापार लाभ -

अपनी स्वयं की नर्सरी तैयार करके बाजार में पौधे बेचने का व्यापार आजकल बहुत ही फायदे का सौदा है. अगर आप बहुत छोटे स्तर पर इसे शुरू करते है और बड़ी नर्सरी से पौधे खरीदकर उन्हे ग्राहको को सप्लाइ करते है, तब भी आप कम से कम 20 से 30 हजार तक का लाभ कमा सकते है.

इसके अलावा बहुत बड़े स्तर पर तैयार की गई नर्सरी में तो व्यापारी सालाना लाखों में कमाई करते है, परंतु इस तरह की नर्सरी को तैयार करने में आपको निवेश भी बहुत अधिक मात्रा में करना होता है.

इस प्रकार आज के समय में नर्सरी का व्यापार एक फायदे का व्यापार है, जिसमें आप निवेश करके लाभ कमा सकते है. परंतु इस व्यापार में आपको बहुत अधिक टाइम देना होता है और इसी के साथ आपको इसके संबंध में उचित ज्ञान होना भी आवश्यक है. तभी आप सफलता हासिल कर सकते है

सब्जियों के लिए नर्सरी स्थापना पौध प्रतिरोपण तथा प्रबंधन

सब्जियों में कुछ फसलें ऐसी हैं जिनके बीज को सीधे खेत में बोया जाता है क्योंकि इन फसलों का रोपा तैयार करके रोपाई के समय जो आघात लगता है उसको सहने की क्षमता नहीं होती। जैसे - भिण्डी, सेम, मटर, फ्रेंचबीन आदि। दूसरी तरफ कुछ फसलें ऐसी हैं जिनके पौध तैयार कर खेत में रोपाई की जा सकती है। जैसे- टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज, पत्तागोभी, फूलगोभी, गांठगोभी आदि। इन सब्जियों के पौधों में रोपाई के समय लगने वाले आघात को सहने की क्षमता पायी गई है। अत: इन पौधों के बीजों को शुरू में पौधशाला (नर्सरी) में बोया जाता है लेकिन नर्सरी में पौधों को तैयार करना एक कला है।

पौधशाला (नर्सरी)

नर्सरी एक ऐसी स्थल है जिसके लिये आदर्श जलवायु, भूमि तथा सिंचाई व्यवस्था आवश्यक है। नर्सरी का उद्देश्य आदर्श पौधे तैयार करना है। अत: नर्सरी प्रबंध उचित ढंग से करना आवश्यक है। नर्सरी का उचित प्रबंध तथा पौध प्रतिरोपण सब्जी उत्पादन के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। नर्सरी तैयार करने के लिये निम्न कारकों पर समुचित ध्यान देना आवश्यक है।

सब्जियों की नर्सरी के प्रकार

1- ऊपर उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बेड) वर्षा एवं ठंड के मौसम में पौधे तैयार करने हेतु रेज्ड बेड क्यारियां बनाते हैं।

2- समतल क्यारियां (फ्लैट बेड) गर्मी के मौसम में पौधे तैयार करने हेतु समतल क्यारियां बनाते हैं।

सब्जियों की पौध नर्सरी में लगभग एक मीटर चैड़ी क्यारियों में उगाई जाती है। इस हेतु मृदा का अच्छी भौतिक दशा वाला होना आवश्यक है। मिट्टी हल्की भुरभुरी व पानी को सोखने वाली होनी चाहिये। सतह पर जल्दी सूखने वाली होनी चाहियें, पर वैसे एकदम सूख जाने वाली भी होनी चाहिये। उसमें पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व होने चाहिये।

एक समान और अच्छे अंकुरण के लिये मिट्टी का महीन नम और भली-भांति बैठा हुआ होना आवश्यक है।

मिट्टी में अच्छी कार्बनिक खाद जैसे-पकी हुई कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाई जानी चाहिये। गमलों, बक्सों आदि में भरने के लिये उपयुक्त एक अच्छे मिश्रण में 2 भाग मिट्टी, 1 भाग बालू तथा 1 भाग पत्तियों की खाद होनी चाहिये। नर्सरी क्यारियों की मिट्टी को किनारे से दाब कर अच्छी तरह बैठा देना चाहिये अन्यथा वह सिंचाई या भारी वर्षा के कारण कटने लगती है। खुले में बनी क्यारियों की चौड़ाई इतनी होनी चाहिये कि नर्सरी में घुसे बगैर निंदाई करने तथा पानी देने में कठिनाई न हों।

सर्वप्रथम उपरोक्तानुसार क्यारियां तैयार करने के बाद 10 मि.ली फॉर्मेलिन एक लीटर पानी में मिला कर घोल बना लें। इस घोल को नर्सरी की क्यारियों पर लगातार छिड़कते रहें ताकि क्यारियों की ऊपरी 15 सें.मी. तह की मिट्टी दवा के घोल से संतृप्त हो जाए। छिड़काव के तुरन्त बाद क्यारियों को पॉलिथीन शीट पर अनुपयोगी बोरों से ढंक दें ताकि फॉर्मेलिन व्यर्थ न जाकर मृदा में ही समा जाए। छिड़काव के सात दिन बाद ढंके हुए बोरों या पॉलिथीन शीट को हटा लें। क्यारियों को फावड़े से गुड़ाई कर सात दिनों तक खुला छोड़ दें, तदुपरान्त क्यारियों को समतल करने के बाद ही बीजों की बुवाई की जा सकती है। बुवाई के बाद हाथ से या लकड़ी की छोटी पटिया से क्यारी को समतल कर ताकि बोया हुआ बीज अच्छी तरह से ढक जाय। इसके पश्चात क्यारी पर सूखी घास फैला दे ताकि क्यारी को सींचते समय बीज और मिट्टी बह न जाए। बोने के तुरन्त बाद फव्वारे के रूप में सींच दें।

ज्यादतर सब्जियों के पौध बुवाई के 25 से 30 दिन पश्चात् लगाने लायक हो जाते हैं। सिर्फ प्याज के पौध लगाने के लिये तैयार होने में 45 दिन का समय लगता है।

नर्सरी के बीज बोने से पहले बीज का उपचार थाइरम नामक फफूंदनाशक दवा से किया जाये। बीजोपचार के लिये 2.5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से करना अतिआवश्यक है।

नर्सरी क्यारियों में बीज बिखेर कर नहीं बोना चाहिए। बीज को पंक्तियों में बोना चाहिए। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बीज बोते समय हवा न बह रही हो। पौधों को सूखने से बचाना चाहिए तथा बीज बोने के बाद बहुत हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बुवाई के बाद नव अंकुरित पौधों को आर्द्र पतन रोग से भी काफी डर रहता है। अत: बीजों को पंक्तियों में क्यारी की चौड़ाई में बनी आकार नालियों में बोना चाहिए। बीज बोने के लिये बनाई गई पंक्ति में बीज के आकार और किस्म के अनुसार 5 - 7 सेंमी की दूरी पर बोनी चाहिए। ऐसा करने से खरपतवारों को उखाड़ रोगों की रोकथाम और प्रतिरोपण के लिए पौध निकालने में सुविधा रहती है। बीज कितनी गहराई में डाला जाए यह बीज के आकार और मिट्टी के प्रकार पर निर्भर है। कुछ छोटे बीजों को बोने से पूर्व थोड़ी सी बालू के साथ मिला लेना चाहिए और बोने के बाद यदि आवश्यक हुआ तो मिट्टी खाद मिश्रण की एक बहुत पतली परत से उसे बंक देना चाहिए।

बेलपत्र का महत्व, उपयोग एवम लाभ

– पंडित विशाल दयानन्द शास्त्री

हमारे धर्मशास्त्रों में ऐसे निर्देश दिए गए हैं, जिससे धर्म का पालन करते हुए पूरी तरह प्रकृति की रक्षा भी हो सके। यही वजह है कि देवी-देवताओं को अर्पित किए जाने वाले फूल और पत्र को तोड़ने से जुड़े कुछ नियम बनाए गए हैं। जानें पण्डित दयानन्द शास्त्री जी से भगवान शिव को बिल्वपत्र अर्पित करने का विधि विधान।

शिवपूजा में बेलपत्र का महत्व..!!!

हम आपको बता रहें है शिवलिंग की पूजा में क्या क्या चढ़ाना चाहिए।भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र प्रयोग होते हैं। बेलपत्र का बहुत महत्व होता है और इनके बिना शिव की उपासना सम्पूर्ण नहीं होती।

आइये जानते है बेलपत्र के बारे में—

बेल के पेड़ की पत्तियों को बेलपत्र कहते हैं। बेलपत्र में तीन पत्तियां एक साथ जुड़ी होती हैं लेकिन इन्हें एक ही पत्ती मानते हैं। शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने से प्रसन्न होते

हैं महादेव। मान्यता है कि शिव की उपासना बिना बेलपत्र के पूरी नहीं होती। अगर आप भी देवों के देव महादेव की विशेष कृपा पाना चाहते हैं तो बेलपत्र के महत्व को समझना बेहद ज़रूरी है।

भगवान शंकर को बेलपत्र बेहद प्रिय हैं। भांग, धतूरा और बिल्व पत्र से प्रसन्न होने वाले केवल शिव ही हैं। सावन में बेलपत्रों से विशेष रूप से शिव की पूजा की जाती है। तीन पत्तियों वाले बेलपत्र आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, किंतु कुछ ऐसे बिल्व पत्र भी होते हैं जो दुर्लभ पर चमत्कारिक और अद्भुत होते हैं।

एक बेलपत्र में तीन पत्तियां होनी चाहिए।पत्तियां कटी या टूटी हुई न हों और उनमें कोई छेद भी नहीं होना चाहिए। भगवान शिव को बेलपत्र चिकनी ओर से ही अर्पित करें। एक ही बेलपत्र को जल से धोकर बार-बार भी चढ़ा सकते हैं। शिव जी को बेलपत्र अर्पित करते समय साथ ही में जल की धारा जरूर चढ़ाएं। बिना जल के बेलपत्र अर्पित नहीं करना चाहिए।

ज्योतिषाचार्य पण्डित दयानन्द शास्त्री ने बताया कि हमारे धार्मिक ग्रंथों में बिल्व पत्र के वृक्ष को श्री वृक्ष भी कहा जाता है इसे शिवद्रुम भी कहते है। बिल्वाष्टक और शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय है। मान्यता है कि बेल पत्र के तीनो पत्ते त्रिनेत्रस्वरूप् भगवान शिव के तीनों नेत्रों को विशेष प्रिय हैं। बिल्व पत्र के पूजन से सभी पापो का नाश होता है ।

स्कंदपुराण' में बेल पत्र के वृक्ष की उत्पत्ति के संबंध में कहा गया है कि एक बार माँ पार्वती ने अपनी उँगलियों से अपने ललाट पर आया पसीना पोछकर उसे फेंक दिया , माँ के पसीने की कुछ बूंदें मंदार पर्वत पर गिरीं, कहते है उसी से बेल वृक्ष उत्पन्न हुआ।

शास्त्रों के अनुसार इस वृक्ष की जड़ों में माँ गिरिजा, तने में माँ महेश्वरी, इसकी शाखाओं में माँ दक्षयायनी, बेल पत्र की पत्तियों में माँ पार्वती, इसके फूलों में माँ गौरी और बेल पत्र के फलों में माँ कात्यायनी का वास हैं।

हमारे शास्त्रों में बिल्व का पेड़ संपन्नता का प्रतीक, बहुत पवित्र तथा समृद्धि देने वाला है। ज्योतिषाचार्य पण्डित दयानन्द शास्त्री जी बताते है कि बिल वृक्ष में माँ लक्ष्मी का भी वास है अत ्घर में बेल पत्र लगाने से देवी महालक्ष्मी बहुत प्रसन्न होती हैं, जातक वैभवशाली बनता है।

बेलपत्र से भगवान शिव का पूजन करने से समस्त सांसारिक सुख की प्राप्ति होती है, धन-सम्पति की कभी भी कमी नहीं होती है।

बेलपत्र के पेड़ की टहनी से चुन-चुनकर सिर्फ बेलपत्र ही तोड़ना चाहिए, कभी भी पूरी टहनी नहीं तोड़ना चाहिए।

शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने से महादेव शीघ्र प्रसन्न होते हैं। मान्यता है कि भगवान शिव की आराधना बेलपत्र के बिना पूरी नहीं होती। लेकिन एक बेलपत्र में तीन पत्तियां अवश्य ही होनी चाहिए.तभी वह बिलपत्र शिवलिंग पर चढ़ने योग्य होता है ।

भगवान शिव जी को बेलपत्र अर्पित करते समय जल की धारा भी जरूर चढ़ाएं।

यह ध्यान दीजिये कि बेलपत्र की पत्तियां कटी फटी या टूटी ना हों और उनमें कोई छेद भी नहीं होना चाहिए।

बेलपत्र को भगवान शिव पर चिकनी तरफ से ही अर्पित करें।

अगर बेलपत्र पर ? नम ्शिवाय या राम राम लिखकर उसे भगवान भोलेनाथ पर अर्पित किया जाय तो यह बहुत ही पुण्यदायक होता है ।

शास्त्रों के अनुसार रविवार के दिन बेलपत्र का पूजन करने से समस्त पापो का नाश होता है।

तृतीया तिथि के स्वामी देवताओं के कोषाध्यक्ष एवं भगवान भोलाथ के प्रिय कुबेर जी है । तृतीया को बेलपत्र चढ़ाकर कुबेर जी की पूजा करने , उनके मन्त्र का जाप करने से अतुल ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। और अगर कुबेर जी की पूजा बेल के वृक्ष के नीचे बैठकर, अथवा शिव मंदिर में की जाय तो पीढ़ियों तक धन की कोई भी कमी नहीं रहती है ।

शिव को बेलपत्र अर्पित करते वक्त और इसे तोड़ते समय कुछ खास नियमों का पालन करना जरूरी होता है ।

बेलपत्र को संस्कृत में 'बिल्वपत्र' कहा जाता है। जो कि भगवान शिव को बहुत ही प्रिय है। ऐसी मान्यता है कि बेलपत्र और जल से भगवान शंकर का मस्तिष्क शीतल रहता है। पूजा में इनका प्रयोग करने से वे बहुत जल्द प्रसन्न होते हैं।

जानिए बेलपत्र तोड़ने के नियम

भूलकर भी चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी और अमावस्या तिथियों के साथ-साथ सं ?क्रांति के समय और सोमवार को बेलपत्र नहीं तोड़नी चाहिए।शास्त्रों में कहा गया है कि अगर नया बेलपत्र न मिल सके, तो किसी दूसरे के चढ़ाए हुए बेलपत्र को भी धोकर कई बार इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे किसी भी तरह का पाप नहीं लगेगा। जो स्कंदपुराम में बताया गया है।

अर्पितान्यपि बिल्वानि प्रक्षाल्यापि पुन ्पुन ्शंकरायार्पणीयानि न नवानि यदि क्वचित।। (स्कंदपुराण)

कभी भी बेलपत्र को टहनी सहित नहीं तोड़ना चाहिए। बल्कि बेलपत्र चुन-चुनकर तोड़ना चाहिए। जिससे कि वृक्ष को नुकसान न पहुंचे। इसके साथ ही बेलपत्र तोड़ने से पहले और बाद में वृक्ष को मन ही मन प्रणाम कर लेना चाहिए।

शिवलिंग पर हमेशा उल्टा बेलपत्र अर्पित करना चाहिए, यानी पत्ते का चिकना भाग शिवलिंग के ऊपर रहना चाहिए।पंडित दयानन्द शास्त्री जी बताते हैं कि बेलपत्र में चक्र और वज्र नहीं होना चाहिए। कोशिश करें तो बेलपत्र कटा-भटा न हो। बेलपत्र 3 से लेकर 11 दलों तक के होते हैं। ये जितने अधिक पत्र के हों, उतने ही उत्तम माने जाते हैं।शिवलिंग पर दूसरे के चढ़ाए बेलपत्र की उपेक्षा या अनादर नहीं करना चाहिए।

बेल के वृक्ष का धार्मिक महत्व हैं, क्योकि बिल्व का वृक्ष भगवान शिव का ही रूप है।

बिल्व-वृक्ष के मूल अर्थात उसकी जड़ में शिव लिंग स्वरूपी भगवान शिव का वास होता हैं। इसी कारण से बिल्व के मूल में भगवान शिव का पूजन किया जाता हैं।

पूजन में इसकी मूल यानी जड़ को सींचा जाता हैं।